राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 25 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-156 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## रूसी प्लेन चीन सीमा के पास क्रैश सभी की मौत

● 49 लोग थे सवार, तलाशी अभियान में दिखा मलबा

मास्को (एजेंसी)। रूस का एक यात्री विमान चीन की सीमा के पास क्रैश हो गया है। हादसे में विमान में सवार 49 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 43 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। यात्रियों में 5 बच्चे भी शामिल थे बचावकर्मियों को टिंडा से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर रूसी यात्री विमान का मलबा मिला है। रॉयटर्स के मुताबिक ये विमान रूस के पूर्वी अमूर क्षेत्र में उड़ रहा था। अमूर के गवर्नर वासिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर बताया कि लापता विमान अंगारा एयरलाइंस का है। लोकल इमरजेंसी मिनिस्ट्री ने बताया कि विमान खाबरोवस्क, ब्लागोवेशचेंस्क होते हुए टिंडा जा रहा था। यह चीन की सीमा के पास है।

टिंडा पहुंचने से पहले वह रडार से गायब हो गया और उसका संपर्क टूट गया। इंटरफैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, विमान पहले टिंडा एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश में नाकामयाब रहा। जब उसने दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश की, तभी वह रडार से गायब हो गया। तास समाचार एजेंसी ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि यह विमान टिंडा एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर पहले एक तय चेकपॉइंट पर भी संपर्क नहीं कर पाया।

टिंडा शहर रूस की राजधानी मॉस्को से करीब 6,600 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है। सोवियत संघ ने ए-24 विमान को छोटे इलाकों में उड़ने के लिए बनाया था। तब इसमें 32 सीटें होती थीं, जो 450 किमी प्रति घंटे की गति से 400 किलोमीटर तक उड़ान भरती थी। इसके अलावा यह 4 टन तक का वजन (पेलोड) ले जा सकती थी। इसे ऐसे रनवे से उड़ान भरने लायक भी बनाया गया था जो केवल 1200 मीटर लंबे और पक्के नहीं हों। इतना ही नहीं, अगर विमान का एक इंजन भी खराब हो जाए, तो भी यह टेकऑफ कर सके। अप्रैल 1962 में इसकी टेस्टिंग कामयाब हुई जिसके बाद यात्रियों को ले जाना शुरू कर दिया।

## अनिल अंबानी की 50 कंपनियों पर ईडी की रेड!

● 3000 करोड़ रुपए के लोन फ्रॉड का है यह मामला ● यस बैंक से लिए पैसों का गलत इस्तेमाल का आरोप

**मुंबई (एजेंसी)।** प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें करीब 50 कंपनियों शामिल है। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में गुरुवार, 24 जुलाई को की गई ये रेड दिल्ली और मुंबई में चल रही है। ये छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 17 के तहत की जा रही है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ये कार्रवाई सीबीआई की ओर से दर्ज दो एफआईआर और सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई है।

## पीएम मोदी और कीर स्टार्मर ने किए भारत और ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

-दाल, चावल, मेवे, मसाले के कारोबारियों के लिए फायदा

-शराब, बीयर और फूड प्रोडक्ट्स पर टैक्स होगा कम

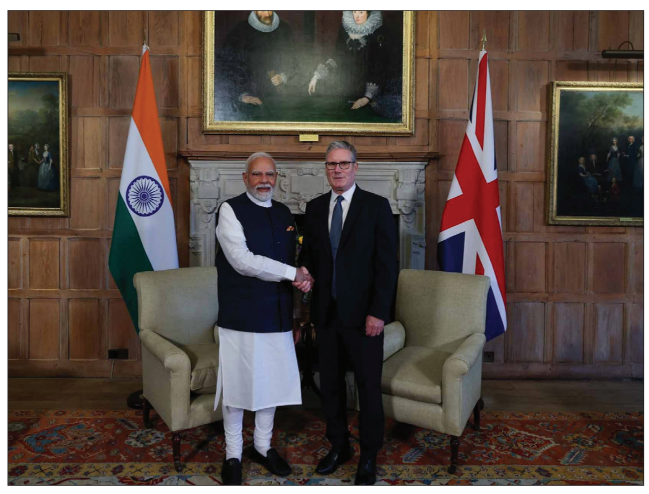

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर आखिरकार गुरुवार को मोहर लग गई हैं। इसका मतलब है कि अब दोनों देशों के बीच चीजों का लेन-देन और व्यापार पहले से आसान और सस्ता होगा। इस डील के बाद भारतीय बाजार में विदेशी सामान सस्ते होने, जबकि भारत से होने वाले निर्यात में बड़ी छलांग लगने की उम्मीद है। दोनों देशों के कारोबारियों और विशेषज्ञों ने समझौते का स्वागत किया है। इसके पहले गुरुवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपने आधिकारिक आवास 'चेकर्स' में मेजबानी की। दोनों नेताओं ने गंभीर वार्ता से पहले अकेले में बातचीत की।

### या बदल जाएगा इस फ्री ट्रेड डील

फ्री ट्रेड डील से भारत और ब्रिटेन के बीच आने-जाने वाले सामान और सेवाओं पर लगने वाला टैक्स (शुल्क) बहुत कम होगा। कागजों की भाग-दौड़ और मुश्किल सरकारी प्रोसेस भी बहुत आसान कर दी जाएगी। इससे भारत का एक्सपोर्ट 60 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। दोनों देशों के व्यापार में जबरदस्त बढ़ोतरी की उम्मीद है।

### किन्हें फायदा मिलेगा?

भारत और यूके में फ्री ट्रेड डील से खाने-पीने का सामान, जैसे दाल, चावल, मेवे, मसाले आदि भेजने वाले भारतीय कारोबारी और ब्रिटेन में ऐसी चीजें खरीदने वाले लोगों को फायदा होगा। शराब, बीयर और फूड प्रोडक्ट्स का व्यापार करने वाली कंपनियां पहले भारत से शराब भेजने पर 150 प्रतिशत टैक्स लगता था, अब वह भी कम हो जाएगा। अब बहुत सी चीजें जैसे गाड़ियां, कपड़े, टैक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स दोनों देशों में पहले से सस्ती मिल सकती हैं। दोनों देशों में नौकरियां बढ़ने के आसार हैं।

### आगे क्या होगा?

ब्रिटेन की संसद में इस समझौते को रखा जाएगा। वहां से औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद कुछ महीनों के भीतर यह लागू हो जाएगा। अनुमान है कि 2030 तक भारत और यूके का आपसी व्यापार दोगुना होकर करीब 120 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

## एसआईआर मामले पर संसद परिसर में विपक्ष ने किया प्रदर्शन, सोनिया गांधी भी हुईं शामिल

**न्यूयॉर्क (एजेंसी)।** नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद के मॉनसून सत्र के चौथे दिन बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष का विरोध तेज हो गया। संसद की कार्यवाही शुरु होने से पहले गुरुवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन परिसर में एकजुट होकर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

विपक्षी सांसद संसद भवन के मकर द्वार पर एकजुट हुए और हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हुईं। प्रियंका गांधी ने लोकतंत्र खतरे में है, लिखा पोस्टर लहराया और कहा, जब भी विपक्ष बोलना चाहता है, उन्हें रोका जाता है। हम केवल चर्चा की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, यह लड़ाई अभी जारी रहेगी। हमें भरोसा है कि चुनाव आयोग निष्पक्षता से काम करेगा और किसी भी मतदाता को वंचित नहीं किया जाएगा। वहीं, कांग्रेस के सुखजिंदर सिंह रंधावा ने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा, अब यह आयोग नहीं बल्कि भाजपा का कार्यालय बन गया है।

आरजेडी सांसद मनोज झा ने केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, अगर चुनाव आयोग बांग्लादेश के चुनाव आयोग जैसा व्यवहार करेगा तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। अगर सरकार बिहारियों को बेदखल करने की साजिश रच रही है तो यह आग से खेलने जैसा है।

विपक्षी दलों का कहना है कि बिहार में चल रहा एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है और इससे मतदाता सूची में गड़बड़ी की आशंका है। विपक्ष ने केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए मांग की है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराए। प्रदर्शन के दौरान नारे लगा रहे विपक्षी सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखीं थीं। विपक्ष एसआईआर को तत्काल रोके जाने की मांग कर रहा है। विपक्ष के प्रदर्शन में सोनिया गांधी की उपस्थिति को लेकर भी चर्चाएं गर्म हो गई हैं, कहा जा रहा है कि विपक्ष अब इस मुद्दे को लेकर संसद के अंदर और बाहर दोनों ही जगह मजबूती के साथ अपनी बात रखने को पूरी तरह तैयारी है। कुल मिलाकर प्रदर्शन में सोनिया गांधी की उपस्थिति विपक्ष के रुख को और मजबूती देने के संकेत के रूप में देखी जा रही है।

## किशोरों का प्यार अपराध नहीं, सुप्रीम कोर्ट में एमिकस क्यूरी की बड़ी सलाह, क्या 16 साल हो जाएगी सहमति से संबंध बनाने की उम्र?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सर्वोच्च न्यायालय से सहमति की वैधानिक आयु 18 वर्ष से घटाकर 16 वर्ष करने का आग्रह किया है। निपुण सक्सेना बनाम भारत संघ मामले में शीर्ष न्यायालय की सहायता कर रही जयसिंह ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो), 2012 और भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों से जुड़ी यौन गतिविधियों को पूरी तरह से अपराध घोषित करने को चुनौती देते हुए अपने लिखित प्रस्तुतियाँ दी हैं। उन्होंने तर्क दिया है कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए रोमांटिक संबंधों को अपराध मानता है और उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

जयसिंह ने कहा कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है, तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को नजरअंदाज करता है। जयसिंह ने कहा कि सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र 16 से बढ़ाकर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अनुभवजन्य डेटा नहीं है। उन्होंने कहा कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा इसे बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक यह उम्र 16 वर्ष ही रही थी।

उन्होंने बताया कि यह वृद्धि बिना किसी बहस के की गई और न्यायमूर्ति वर्मा समिति की सहमति की आयु 16 वर्ष बनाए रखने की सिफ़ारिश के विरुद्ध है। आज किशोरों के लिए नियुक्त न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) समय से पहले यौवन प्राप्त कर लेते हैं और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं।

## 50 मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ आरएसएस चीफ की अहम बैठक, कितनी कारगर होगी मोहन भागवत की पहल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने की एक उल्लेखनीय पहल के तहत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आज दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, सह महासचिव कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ नेता रामलाल और इंद्रेश कुमार भी मौजूद थे। समाचार एजेंसी एएनआई के सूत्रों के अनुसार, अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी सहित कई मुस्लिम धार्मिक नेता इस बैठक में भाग लेने वाले थे।

आरएसएस, अपने संबद्ध संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। 2023 में, एमआरएम ने अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ने और 卐एक राष्ट्र, एक ध्वज, एक राष्ट्रगान卐 की अवधारणा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी अभियान की योजना की घोषणा की है।

**मोहन भागवत ने 2022 में मुस्लिम बुद्धिजीवियों से की थी मुलाकात**

सितंबर 2022 में, भागवत ने भारत में धार्मिक समावेशिता को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कई प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य आरएसएस के विचारों का प्रचार-प्रसार करना और समुदायों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना था। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एस वाई कुरैशी, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल (एलजी) नजीब जंग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के पूर्व कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल ज़मीर उद्दीन शाह, पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी और व्यवसायी सईद शेरवानी जैसे कई बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। अक्टूबर 2022 में आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने नई दिल्ली स्थित हज़रत निज़ामुद्दीन दरगाह का दौरा किया और दरगाह परिसर में मिट्टी के दीये जलाए।

**कृपया ध्यान दें!** अब हर पांच साल में कराना होगा जरूरी,वरना नहीं मिलेगा लाभ

## केवायसी नहीं कराई तो बंद हो जाएगा आपका राशनकार्ड

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और कुशल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

सरकार ने बुधवार को मौजूदा पीडीएस नियमों में संशोधन करते हुए सभी राशन कार्ड धारकों के लिए हर पांच साल में इलेक्ट्रॉनिक नो योर कस्टमर यानी ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य राशन वितरण प्रणाली में धोखाधड़ी को रोकना, डुप्लिकेट कार्ड्स को हटाना और सब्सिडी को सही लाभार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करना है। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और

सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया है कि लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) संशोधन आदेश, 2025 के तहत पीडीएस में पारदर्शिता बढ़ाने, डुप्लिकेशन को रोकने और सब्सिडी के टारगेट को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसके तहत, राज्य सरकारों को सभी पात्र परिवारों के लिए हर पांच साल में ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा। इस प्रक्रिया में अयोग्य परिवारों को लाभार्थी सूची से हटाया जाएगा और नवीन पात्र परिवारों को शामिल किया जाएगा। नए नियमों के अनुसार, अलग राशन कार्ड के लिए न्यूनतम आयु अब 18 वर्ष निर्धारित की गई है। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि केवल पात्र व्यक्ति ही राशन कार्ड के माध्यम से सब्सिडी प्राप्त करें।

## राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को निशाने पर लेकर कहा- धोखाधड़ी के सौ प्रतिशत सबूत, बचकर निकल नहीं पाओगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए कहा, कि उनकी पार्टी के पास कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा धोखाधड़ी की अनुमति देने के सौ फीसद सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा, कि यदि आयोग यह सोचता है कि वह इससे बच निकलेगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, कि हमारे पास कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा धोखाधड़ी की अनुमति प्रदान करने के 100 प्रतिशत ठोस सबूत हैं। 90 नहीं, पूरे 100 प्रतिशत। उन्होंने बताया कि हमारी पार्टी ने सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र की समीक्षा की है, और उसमें हजारों संदिग्ध वोटर मिले हैं। इन वोटरों की उम्र 50, 60 या 65 वर्ष की है, लेकिन वे नए मतदाता के तौर पर दर्ज हुए हैं। राहुल गांधी का दावा है, कि ऐसा नाटक सिर्फ एक क्षेत्र में नहीं, बल्कि संभवतः हर निर्वाचन क्षेत्र में चल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जब यह सबूत सामने लाने का निर्णय लिया है, तो वह पूरी तैयारी के साथ सामने आएगी।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस

## सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर लगाया 'ब्रेक'

● एससी बोला-फिलहाल दोबारा जेल भेजना जरूरी नहीं

● 3 दिन पहले सभी 12 आरोपियों को कर दिया था बरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से आरोपियों की जेल से रिहाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ट्रेन ब्लास्ट केस में 13 लोग आरोपी थे। 12 सभी रिहा हो गए हैं। एक आरोपी की मौत हो गई है। 19 साल पहले सीरियल ब्लास्ट में 189 लोग मारे गए थे 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। सुप्रीम

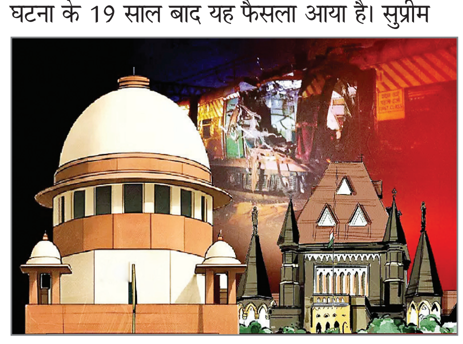

कोर्ट ने अपने संक्षिप्त आदेश में कहा,हम मानते हैं कि यह फैसला नजीर के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाए। अतः इस पर रोक लगाई जाती है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से अनुरोध किया कि वह हाईकोर्ट के फैसले के प्रभाव पर रोक लगाए, भले ही वह आरोपियों की रिहाई को चुनौती नहीं दे रहे हों।

उन्होंने कहा कि फैसले में कुछ टिप्पणियां हैं जो पॉक्सो के तहत लंबित मामलों को प्रभावित कर सकती हैं। 11 जुलाई 2006 को मुंबई की उपनगरीय ट्रेनों में सात बम विस्फोट हुए थे, जिनमें 187 लोगों की मौत हुई और 800 से अधिक घायल हुए थे। इस मामले में 2015 में विशेष एमसीओसीए कोर्ट ने 12 आरोपियों को दोषी ठहराया था, जिसमें पांच को मृत्युदंड और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, 21 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सबूतों के अभाव और अभियोजन पक्ष की विफलता का हवाला देते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार और आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सरकार ने आदेश को चुनौती देते हुए अपनी याचिका में कहा कि एक आरोपी से आरडीएक्स की बरामदगी को बेहद तकनीकी आधार पर खारिज किया गया कि जब्त विस्फोटकों को एलएसी सील से सील नहीं किया गया था। उच्च न्यायालय ने आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है तथा यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने यह अपराध किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

(लेखक- -ललित गर्ग )

'हर छठा व्यक्ति अकेला है'-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ़ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुज़ुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्ज़ाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास फ्रसुनने का समयफ्र नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते।

> निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके।

कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास ज़रूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली 'समृद्धि' है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, 'वर्क फ्रॉम होम' की जगह 'वर्क विद कम्युनिटी' को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए।

डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति अकेलेपन को जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार अकेला या एकाकी होता जा रहा है। असल में अकेलापन तभी मिटेगा जब हम फिर से इंसान बनेंगे- संवेदनशील, सजीव, संवाद और रिश्तों की गर्माहटत से भरे हुए।

## संपादकीय

# सुरक्षा पहले

हाल के दिनों में हवाई उड़ान को लेकर तमाम ऐसी खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं कि जिससे आम लोगों के मन में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षा बोध पनपा है। यह स्वाभाविक है क्योंकि हवाई यात्रा के साथ तमाम तरह के जोखिम जुड़े हैं। गत बारह जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के भयावह विमान हादसे के बाद, जिसमें 260 लोग मारे गए थे, भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र गहन जांच के घेरे में है। यद्यपि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कई तरह की व्याख्याएं और निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आम धारणा यही है कि भारत की हवाई यात्रा व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में हुए एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण में लगभग 76 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि भारत में कई एयरलाइनें यात्रियों की सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर ज़्यादा धन खर्च कर रही हैं। निस्संदेह यह गलत प्राथमिकताओं का एक ज्वलंत प्रसंग है, जो यही दर्शाता है कि हवाई यातायात व्यवस्था को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की सख्त जरूरत है। यह भी कि यात्रियों की सुरक्षा और कुशल हवाई संचालन में किसी चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से अपनाई जानी चाहिए। निस्संदेह इस बाबत सख्त कार्रवाई कुशल व सुरक्षित हवाई यातायात का मार्ग सुनिश्चित करेगी। विडंबना यह है कि हमने विगत के हवाई हादसों से कोई गंभीर सबक नहीं सीखे। 'सब चलता है' की नीतियां ही क्रियान्वित होती रही हैं। एक के बाद एक हादसों के लिए जांच आयोग तो कई बैठे, लेकिन सुधार के प्रयास तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचे। हमारी राजनीतिक अक्षमताएं और निगरानी करने वाले संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप से अनुभवहीन लोगों को बैठाना भी हवाई परिचालन में अव्यवस्था का सबब बना। जिसके चलते हमारी हवाई व्यवस्था असुरक्षा के भय से मुक्त न हो पा रही है। साथ ही हमारी हवाई सेवाएं वैश्विक मानकों की कसौटी पर खरी न उतर पायीं। जिसका खमियाजा देश के हवाई यात्री भी भुगत रहे हैं। निस्संदेह विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बने भारत में नागरिक सेवाओं में यह गुणवत्तापूर्ण झलक नजर आनी चाहिए। यह गुणवत्ता विदेशी निवेशकों के लिए भी जरूरी है लेकिन फिलहाल हमारा नागरिक सेवाओं के प्रति अपेक्षित भरोसा नहीं बन पा रहा है। उल्लेखनीय है कि नागरिक सहभागिता मंच, लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि सर्वे में शामिल 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार उन्होंने कठिन उड़ान का अनुभव किया था, जिसमें टेकऑफ़, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन परिस्थितियां शामिल थीं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को इस चिंताजनक स्थिति का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें राज्यसभा को बताया गया कि पिछले छह महीनों में पांच 'पहचाने गए' सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एयर इंडिया को नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय दिन था जिस दिन संसद में विमानन सुरक्षा का ज्वलंत मुद्दा गूंजा - उसी दौरान एक विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से भटक गया, दूसरे ने आपातकालीन लैंडिंग की, एक विमान की बाहरी खिड़की का फ्रेम हवा में ही टूट गया, और एक उड़ान का टेकऑफ़ तकनीकी खराबी के कारण अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। सौभाग्य से, इन घटनाओं में किसी की जान या अंग की हानि नहीं हुई, लेकिन यात्रियों के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से ठेस पहुंची।

# 17 वर्षीय अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स की बलिदान गाथा

(लेखक- डा. श्रीगोपालनारसन )

(जन्म दिवस 25 जुलाई पर)

जो उम्र युवाओ की अपनी पढ़ाई कर बेहतर भविष्य के सपने बुनने की होती है ,उस मात्र 17 वर्ष की उम्र में छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने भारत मां को आजाद कराने के लिए सीने पर गोलियां खाकर देशप्रेम व बहादुरी का एक इतिहास लिख दिया था। 7 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स,जिन्होंने सन 1942 में हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज में पढ़ते हुए आजादी का बिगुल बजाया था। कालेज के छात्रों का नेतृत्व करते हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स ने तिंरगे झण्डे हाथ में लेकर अंग्रेज पुलिस को चुनौती देने का साहस किया था। 13 अगस्त सन 1942 की रात्रि में छात्रावास में हुई छात्रो की एक बैठक में 14 अगस्त को तिरंगे फैहराने के लिए सडको पर निकलने और भारत माता की जय, इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाने के लिए, लिए गए निर्णय को अमलीजामा पहनाते हुए छात्रों का दल 14 अगस्त की सवेरे ही हरिद्वार की सडको पर निकल पडा था। पुलिस की छावनी के बीच भी जब छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने सुभाष धाट पर पहला तिरंगा फैहराया तो अंग्रेज पुलिस की एक गोली उनके बाजू को चीरती हुई निकल गई । धायल जगदीश ने धोती को फाडकर धाव पर बांध लिया और फिर दुसरा तिरंगा फैहराने के लिए डाकधर की तरफ दौड लगा दी। पुलिस की गोली चलने से बाकी छात्र तो तितर बितर हो गए थे, लेकिन 17 वर्षीय जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दुसरा तिरंगा डाकधर पर फैहरा दिया। वहां भी पुलिस ने गोली चलाई जो जगदीश के पैर में लगी। जगदीश ने फिर पटटी स्टेशन पर पहुंचकर पाइप के रास्ते उपर चढकर तीसरा तिरंगा फैहरा दिया। जैसे ही जगदीश तिरंगा फैहराकर नीचे उतरा तो राजकीय रेलवे पुलिस के इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव ने उन्हे धेर लिया। जगदीश ने तांव में आकर एक थप्पड इन्सपैक्टर श्रीवास्तव को रसीद कर दिया, जिससे वह नीचे गिर पडा। इन्सपैक्टर ने नीचे पडे पडे ही एक गोली जगदीश को मार दी जो उनके सीने में लगी। तीसरी गोली लगते ही जगदीश मुछि्र्त हो गया। जिन्हे इलाज के लिए देहरादून सेना अस्पताल ले जाया गया। बताते है कि वहां जगदीश को एक बार होश आया था और उनसे माफी मांगने को कहा गया था परन्तु माफी न मांगने पर उन्हे कथित रूप में जहर का इंजेक्शन देकर उनकी हत्या कर दी गई। सहारनपुर जिले के ग्राम खजूरी अकबरपुर निवासी जगदीश वत्स का शव भी पुलिस ने उनके पिता पंडित कदम सिंह शर्मा को नही दिया था।उल्टे दुस्साहसी अंग्रेजो ने जगदीश वत्स को गोली मारने वाले पुलिस इन्स्पैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव को पुलिस मैडल प्रदान किया था। लेकिन देश आजाद होने पर प्रथम प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जगदीश वत्स की राष्ट्रभक्ति व वीरता की प्रंशसा करते हुए एक विजय ट्राफी वत्स परिवार को दी थी। जो धरोहर केरूप में आज भी सुरक्षित है। जगदीश वत्स की स्मृति में उनके गांव खजूरी अकबरपुर में एक जूनियर हाई स्कूल है जो स्थापना पचास वर्ष बाद भी हाई स्कूल और इंटर कॉलेज तक नही बन पाया, एक अस्पताल है ,जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से आगे नही बढ़ पाया, एक सडक है,जो जीर्णशीर्ण हालत में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। वही हरिद्वार के भल्ला पार्क में सन्त ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी के सहयोग से शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा लगाई गई,जहां स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण अतिक्रमण व गन्दगी के पांव पसार लिए है ।अलबत्ता ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज में उनकी प्रतिमा सम्माजनक रूप मे स्थापित है। इसी कॉलेज प्रतिवर्ष उनकी याद में एक वालीबाल टूर्नामेन्ट भी कराया जाता है ।अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के परिवार में किसी भी आश्रित ने सरकार से स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी पेंशन या अन्य कोई सम्मान या सरकारी सहायता आज तक

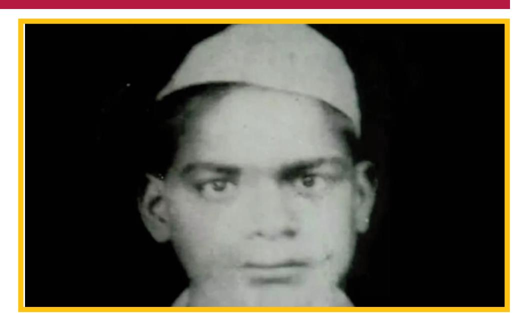

स्वीकार नही की ।जबकि जगदीश की शहादत के एक वर्ष के अन्दर उनके माता पिता की मृत्यु हो गई थी और घर में परिवार के नाम पर शहीद जगदीश की 15 वर्षीय छोटी बहन प्रकाशवती,13 वर्षीय छोटी बहन चन्द्रकला,10 वर्षीय छोटी बहन सुरेश वती और मात्र 5 वर्षीय छोटा भाई सुरेश दत्त वत्स रह गए थे। जिनके पालन पोषण की जिम्मेदारी 15 वर्षीय बहन प्रकाश वती पर आन पडी थी तो भी सरकारी सहायता को ठुकरा देना आजादी के बाद की यह एक बडी मिशाल है ।फिर भी सरकार चाहती तो शहीद जगदीश वत्स की स्मृति में उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर अंतर्गत ग्राम खजूरी अकबरपुर में पचास वर्षों से चल रहे जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय को जूनियर हाईस्कूल को पहले हाई स्कूल और फिर इंटर किया जा सकता है ।सही मायनों में जनपद सहारनपुर व हरिद्वार के एक मात्र शहीद जगदीश प्रसाद वत्स को मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिए ।क्या भारत सरकार या फिर उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की सरकारें इस बाबत पहल कर इस शहीद को सम्मान दिलाएंगी या फिर देश के लिए यह शहादत यूं ही इतिहास के पन्नो में भूला दी जाएगी।

(लेखक अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के भान्जे व वरिष्ठ पत्रकार है)

# उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था ।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बर्बादी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

## विचार मंथन

# भारतीय संसद में चुनाव आयोग के एसआईआर पर चर्चा क्यों नहीं

(लेखक-सनत जैन)

**संसद में विपक्षी दलों और उसके संसद सदस्यों पर सेंसरशिप?**

भारतीय संविधान ने लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से अपनी भावना किसी भी विषय पर रखने के लिए अधिकार दे रखा है। संसद पर सांसद द्वारा जो पक्ष रखा जाता है, उस कथन को किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। भारतीय संविधान की मूल भावना है, संसद सदस्य के रूप में संसद के अंदर कोई भी सदस्य अपनी बात किसी भी डर, भय के बिना रख सके। संसद में बहुमत के आधार पर फैसला होता है। संसद किसी भी विषय पर चर्चा कर सकती है। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा जिस तरह से मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य कर रहा है, उसके खिलाफ सभी विपक्षी दल एकजुट होकर संसद के अंदर चर्चा की मांग कर रहे हैं। सरकार और लोकसभा के अध्यक्ष चुनाव आयोग द्वारा की जा रही कार्रवाई पर चर्चा कराने के लिए तैयार नहीं है। सरकार और अध्यक्ष की ओर से स्पष्ट संदेश विपक्ष को दिया गया है। चुनाव आयोग के बारे में कोई चर्चा सदन के अंदर नहीं होगी, इसको लेकर विपक्ष के सभी राजनीतिक दल संसद के अंदर और संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस के वेणुगोपाल और अन्य संसद सदस्यों द्वारा दावा किया जा रहा, सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं होती है। जो सवाल चुनाव आयोग से पूछा जाता है उसका जवाब भाजपा देती है। यह एक असामान्य स्थिति है। विपक्षी दलों का कहना है, कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा इत्यादि राज्यों में विधानसभा चुनाव के दौरान भारी गड़बड़ी चुनाव आयोग द्वारा की गई है। जानकारी मांगने पर भी चुनाव आयोग द्वारा जानकारी नहीं दी जाती है। मनमाने तरीके से नियम बनाए जा रहे हैं। बिहार में भी जिस नियम के तहत पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है उसमें जिस आधार से दस्तावेज तैयार किए जाते हैं, उसी आधार को नकारा जा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग अब निष्पक्ष और स्वतंत्र होने का दिखावा भी नहीं कर रहा है। वह सरकार के इशारे पर कार्य कर रहा है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, जिस तरह से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जा रही है। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों से चर्चा नहीं करना चाहता है। चुनाव आयोग को जो विशेष अधिकार मिले हुए हैं चुनाव आयोग द्वारा उसका दुरुपयोग किया जा रहा है। जो प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों के खिलाफ है। चुनाव आयोग और सरकार द्वारा जिस तरह की गड़बड़ियां हो रही हैं, उससे बचने के लिए चुनाव आयोग स्वायत्ता के आधार पर लोकतंत्र को समाप्त करने जैसी कार्रवाई कर रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक मतदाता के नागरिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। केंद्रीय चुनाव आयोग को नागरिकता के मामले में जांच करने का कोई अधिकार ही नहीं है। सरकार का काम केंद्रीय चुनाव आयोग असंवैधानिक तरीके से कर रहा है। सरकार उसे संरक्षण दे रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग मतदान और मतदाता से संबंधित शिकायतों तथा मांगी गई जानकारी राजनीतिक दलों से क्यों छुपा रहा है? जो उसे पिछले सात दशक से मिलती रही है। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से लेकर चुनाव कराने और परिणाम घोषित करने में केंद्रीय चुनाव आयोग सरकार के दबाव में काम कर रहा है। इस पर संसद सदस्य संसद के अंदर चर्चा करना चाहते हैं। सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से सदस्यों को जो संरक्षण मिलना चाहिए वह नहीं मिल रहा है। जिस संसद में सदस्यों को बोलने का सर्वाधिकार है बोलने पर बंदिश क्यों लगाई जा रही है? विपक्षी राजनीतिक दलों के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता है। माइक बंद कर दिए जाते हैं। इस तरह के आरोप पिछले कुछ समय से लग रहे हैं। अब तो विपक्षी दल आरोप लगाते हैं, भारत में संविधान एवं लोकतंत्र खतरे में है। विपक्षी दल चुनाव आयोग से जानकारी मांगते हैं जानकारी ना देना पड़े इसके लिए रातों-रात कानून बदल दिया जाता है। चुनाव आयोग अपनी मनमर्जी से नए-नए नियम और कानून बना लेता है। चुनाव प्रक्रिया को बदल देता है। हर बार नई प्रक्रिया को लागू कर देता है। इसके विरोध में पहली बार सारे विपक्षी राजनीतिक दल एकजुट हो गए हैं। संविधान ने नागरिकों को मतदान का मौलिक अधिकार दिया है। चुनाव आयोग जिसकी जिम्मेदारी है सभी नागरिक चुनाव में भाग ले सकें वहीं चुनाव आयोग कई बार चुनाव में मतदान कर चुके मतदाताओं को धार्मिक और राजनीतिक आधार पर काट रहा है। इसको लेकर एक जबरदस्त प्रतिक्रिया राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम जनता के बीच में देखने को मिलने लगी है। चुनाव आयोग जो कार्य कर रहा है वह एनआरसी की तरह है। असम में लोग इसका हश्र देख चुके हैं। मतदाता भी अपने अधिकार को बचाने के लिए जिस तरह से उद्वेलित होकर सड़कों पर आ रहा है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बीकाजी फूड्स का पहली तिमाही में मुनाफा बढ़कर 58.52 करोड़ पहुंचा

**नई दिल्ली ।** एथनिक स्नैक्स और मिठाइयों के क्षेत्र में प्रमुख बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 58.52 करोड़ का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 57.77 करोड़ रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस अवधि के दौरान उसकी परिचालन आय 14.86 प्रतिशत बढ़कर 637.05 करोड़ हो गई, जो कि एक साल पहले 554.59 करोड़ थी। वहीं, कंपनी की कुल आय, जिसमें अन्य आय भी शामिल है, 14.52 प्रतिशत बढ़कर 662.66 करोड़ रही। हालांकि, बीकाजी के कुल खर्च में 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 584.09 करोड़ पर पहुंच गया। इससे शुद्ध लाभ में तेज बढ़ोतरी नहीं हो पाई, लेकिन कंपनी ने लागत में बढ़ोतरी के बावजूद लाभ में स्थिरता बनाए रखी। उद्योग क्षेत्र की बात करें तो कंपनी की 'एथनिक स्नैक्स' श्रेणी से आय में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो इसके कुल कारोबार में 75.3 प्रतिशत का योगदान करती है। वहीं, 'पैकेज्ड स्वीट्स' श्रेणी की आय 3.1 प्रतिशत बढ़ी। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल भारत की तीसरी सबसे बड़ी एथनिक स्नैक्स निर्माता कंपनी है। यह भारतीय पारंपरिक नमकीन और मिठाइयों के उत्पादन और वितरण में विशेषज्ञता रखती है।

## एनएसई ने रिटेल एल्गो ट्रेडिंग के लिए नए रजिस्ट्रेशन नियम जारी किए

**मुंबई ।** एनएसई ने रिटेल एल्गो ट्रेडिंग स्ट्रेटेजी के रजिस्ट्रेशन के लिए नए नियम लागू करने की घोषणा की है। 1 अगस्त से सभी एल्गो ट्रेडिंग स्ट्रेटेजी का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा, और हर स्ट्रेटेजी को एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन दिया जाएगा। इसके तहत, ट्रेडिंग मेंबर्स या एल्गो प्रोवाइडर्स को अपनी स्ट्रेटेजी एक्सचेंज के पास रजिस्टर करनी होगी। एनएसई ने 'क्लाइंट डायरेक्ट के जरिए रिटेल इनवेस्टर्स को एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा देने का प्रावधान किया है। ट्रेडिंग मेंबर्स को ऑर्डर लिमिट जांचने और एल्गो आईडी टैग करने वाले सिस्टम का इस्तेमाल करना होगा। ब्रोकर्स जिम्मेदार होंगे कि केवल योग्य क्लाइंट्स को ही एल्गो ट्रेडिंग की अनुमति मिले। एनएसई अपनी वेबसाइट पर रजिस्टर्ड एल्गो प्रोवाइडर्स की सूची अपडेट रखेगा। ये नए नियम रिटेल इनवेस्टर्स के लिए पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किए गए हैं।

## तिलकनगर इंडस्ट्रीज ने खरीदी इंपीरियल ब्लू व्हिस्की

**मुंबई ।** तिलकनगर इंडस्ट्रीज ने फ्रेंच कंपनी पर्नोड रिकार्ड की भारतीय इकाई से इंपीरियल ब्लू व्हिस्की डिविजन को 4,150 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए डिफिनिटिव एग्रीमेंट किया है। यह डील कॉम्पीटीशन कमीशन आफ इं डिया (सीसीआई) की मंजूरी के बाद पूरी होगी। तिलकनगर पहले से ही मेनसन हाउस ब्रांडी का निर्माण करती है, जो भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला ब्रांड है। इस अधिग्रहण से कंपनी आइएमएफएल के व्हिस्की सेगमेंट में भी प्रवेश कर जाएगी और दोनों प्रमुख कैटेगरी में मजबूत खिलाड़ी बन जाएगी। तिलकनगर का कहना है कि इससे उसका प्रीमियम पोर्टफोलियो और वितरण नेटवर्क मजबूत होगा। पर्नोड रिकार्ड ने इस डील को अपने पोर्टफोलियो रीस्ट्रक्चरिंग का अहम हिस्सा बताया है, जिससे वे भारत में प्रीमियम ब्रांड्स पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे और ऑपरेटिंग मार्जिन बढ़ा सकेंगे। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते आईएमएफएल बाजार में बड़ा बदलाव लाएगा।

# भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून 2025 में 7 फीसदी बढ़ा

**- इन्वेंट्री की चुनौतियों में कमी और विक्रेताओं की फिर से सक्रियता से आई तेजी**

**नई दिल्ली ।**

भारत का स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 3.9 करोड़ यूनिट्स तक पहुंच गया है। इस तेजी के पीछे मुख्य कारण इन्वेंट्री की चुनौतियों में कमी और विक्रेताओं की फिर से सक्रियता है। पहली तिमाही में इन्वेंट्री के उच्च स्तर के कारण नए स्मार्टफोन लॉन्च में देरी हुई थी, जबकि दूसरी तिमाही में कई नए मॉडल लॉन्च होने से बिक्री में वृद्धि हुई।

कैनालिस की रिपोर्ट के अनुसार इस तिमाही में वीवो (आईक्यूओओ को छोड़कर) ने सबसे अधिक शिपमेंट की, जो 81 लाख यूनिट्स के साथ 21 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर काबिज रहा। इसके बाद सैमसंग 62 लाख यूनिट्स और 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) और श्याओमी दोनों ने लगभग 50 लाख यूनिट्स की शिपिंग की जबकि रियलमी 36 लाख यूनिट्स के साथ शीर्ष पांच में शामिल हुआ। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के स्मार्टफोन बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। एक विश्लेषक के अनुसार प्रीमियम ब्रांड और डिजाइन-आधारित कंपनियां अपनी रणनीतियों में सुधार कर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं। एप्पल ने इस तिमाही में छठा स्थान हासिल किया है।

## एप्पल का भारत में पहली छमाही में आईफोन शिपमेंट 36 फीसदी बढ़ा

**मुंबई ।** टेक दिग्गज एप्पल ने 2025 की पहली छमाही में भारत में अपने आईफोन शिपमेंट में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह जानकारी हाल ही में एक रिपोर्ट में सामने आई है। कंपनी ने अपने आईपैड सेगमेंट में भी 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो देश में एप्पल के लेटेस्ट-जनरेशन डिवाइस की बढ़ती मांग को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 16 सीरीज इस अवधि में सबसे लोकप्रिय रही, जिसने आईफोन बाजार हिस्सेदारी का 62 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। इसके बाद आईफोन 15 सीरीज 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही। इसके अलावा, आईफोन 16ई और आईफोन 14 सीरीज ने भी कंपनी की बिक्री में योगदान दिया, जिनकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत रही। आईपैड टैबलेट सेगमेंट में आईपैड 11 सीरीज ने 64 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बढ़त बनाई, जबकि आईपैड ईयर 2025 सीरीज 25 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही। वहीं, आईपैड प्रो 2024, आईपैड एयर 2024 और आईपैड 10 सीरीज जैसे पुराने मॉडल की हिस्सेदारी में कमी देखी गई।

## अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत और चीन में निवेश के दिन लद गए ट्रंप

**न्यूयॉर्क ।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी टेक कंपनियों को विदेशों में कारोबार फैलाने को लेकर सख्त चेतावनी दी है। एआई (कृत्रिम मेधा) शिखर सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में ऐसी कंपनियों के लिए भारत और चीन जैसे देशों में फैक्ट्री लगाना और नौकरियां भेजना अब स्वीकार्य नहीं होगा। ट्रंप ने खासतौर पर उन कंपनियों की आलोचना की जो चीन में कारखाने लगाती हैं, भारत में लोगों को नौकरी देती हैं और टैक्स बचाने के लिए आयरलैंड का सहारा लेती हैं। उन्होंने कहा कि यह नीतियां अमेरिकी श्रमिकों के साथ धोखा हैं और इससे देश को नुकसान हुआ है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री लंबे समय से कट्टरपंथी वैश्वीकरण के रास्ते पर चल रही है, जिससे लाखों अमेरिकी ठगा हुआ महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि टेक कंपनियां अमेरिका के प्रति अपनी निष्ठा दिखाएं।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरापट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी कंपनी टेक महिन्द्र के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 542 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,184.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 158.80 अंक की गिरावट के साथ ही 25,062.10 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर इटरनल (जोमेटो) , डॉ रेड्डीज़ लैब्स, टाटा मोटर्स, टाटा कंज्यूमर, सिप्ला के शेयर सबसे अधिक लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं ट्रेंट, नेस्ले, श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज पीएसयू बैंक और फार्मा के अलावा अन्या सभी सूचकांक गिरे हैं। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.4 फीसदी टूटा।

बाजार में गिरावट का एक अन्य कारण कंपनी के पहली तिमाही के कमजोर परिणाम भी रहे। वहीं अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता जारी रहने से भी बाजार पर दबाव आया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में अब तक 26,395 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय शेयर बेचे हैं। उससे भी बाजार कमजोर हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स गुरुवार को मामूली बढ़त के साथ 82,779 पर खुला। हालांकि, खुलते ही यह लाल निशान में फिसल गया। इसी तरह निफ्टी-50 भी 25,243 अंक के सपाट लेवल पर खुला। वहीं एशिया-पैसिफिक मार्केट्स में तेजी देखी जा रही है। अमेरिका और जापान के बीच ट्रेड डील को लेकर बनी सहमति और यूरोपियन यूनियन के साथ बातचीत में सकारात्मक संकेतों से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। जापान का टॉपिक्स इंडेक्स 1.2 फीसदी की बढ़त के साथ रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया, जबकि निक्केई 1.09 फीसदी ऊपर रहा। कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.6 फीसदी चढ़ा है और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 फ्लैट ट्रेड कर रहा है। वहीं अमेरिकी बाजारों में भी जबरदस्त तेजी रही। एसएंडपी 500 लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ और 6,358.91 के स्तर पर पहुंच गया। डाओ जोंस 507.85 पॉइंट की छलांग लगाकर 45,010.29 पर बंद हुआ। नेस्डेक ने भी पहली बार 21,000 का स्तर पार किया और 21,020.02 पर बंद हुआ।

# सार्वजनिक बैंकों का एनपीए घटा, भाजपा नेता ने मोदी सरकार की नीतियों को सराहा

**- देश को 2047 तक विकसित भारत की ओर ले जा रही है मोदीनॉमिक्स**

**मुंबई ।**

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में पिछले चार वर्षों में 9.11 प्रतिशत से घटकर 2.58 प्रतिशत तक कमी आई है। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने इस उपलब्धि को मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की सफलता बताया और कहा कि मोदीनॉमिक्स देश को 2047 तक विकसित भारत की ओर ले जा रही है। उन्होंने एक अखबार को` दिए एक साक्षात्कार में कहा कि यूपीए शासन के दौरान बैंकिंग प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार था, जिससे एनपीए का स्तर उच्च था। मोदी सरकार ने इस भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंका है, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में भारी कमी देखी जा रही है। गौरव वल्लभ ने कहा कि आज भारत उच्च विकास दर, निम्न मुद्रास्फीति और कम एनपीए के तीन स्तंभों पर मजबूत स्थिति में है। उन्होंने विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर में एनपीए की कमी को भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती बताया। राजनीतिक विषय पर गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी के मतदाता सूची को लेकर उठाए गए सवालों की कड़ी आलोचना की। उनका कहना था कि राहुल गांधी को देश की जनता वोट नहीं देती, और वह अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग का सम्मान करना

जरूरी है, क्योंकि यह संविधान की प्रक्रिया है। राहुल गांधी पर बिहार के युवाओं के अधिकारों को बांग्लादेशी घुसपैठियों को देने का आरोप भी लगाया गया। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर गौरव वल्लभ ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया है और इसे सम्मान देना चाहिए। उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग पहले धनखड़ की आलोचना करते थे, आज वे सवाल उठा रहे हैं।

## आदित्य इन्फोटेक का 1,300 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 जुलाई से खुलेगा

**नई दिल्ली ।**

वीडियो सुरक्षा उत्पादों के लिए प्रसिद्ध 'सीपी प्लस' ब्रांड की मूल कंपनी आदित्य इन्फोटेक अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ला रही है। कंपनी का लक्ष्य इससे 1,300 करोड़ रुपये जुटाने का है। आईपीओ का प्राइस बैंड 640 से 675 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह निर्गम 29 जुलाई को खुलेगा और 31 जुलाई को बंद होगा। आईपीओ में 500 करोड़ के नए शेयर और 800 करोड़ की बिक्री पेशकश शामिल है। जुटाई गई राशि में से 375 करोड़ कर्ज चुकाने में और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों में खर्च किए जाएंगे। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और आईआईएफएल सिक्योरिटीज इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधक हैं। कंपनी के शेयर 5 अगस्त 2025 को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हो सकते हैं। यह निर्गम निवेशकों के लिए सुरक्षा तकनीक क्षेत्र में हिस्सेदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है।

इंडोनेशिया में इंटरनेशनल ऑटो शो (जीआईआईएएस) में लोग चीनी वाहन कंपनी बीएआईसी के नये ब्रांड को देखते हुए। जीआईआईएएस अगले माह 3 अगस्त तक लोगों के लिए खुला रहेगा।

## इन्फोसिस के मजबूत तिमाही नतीजे के बाद शेयर में तेजी

**नई दिल्ली ।**

देश की प्रमुख आईटी कंपनी इन्फोसिस लिमिटेड के शेयर गुरुवार को बाजार खुलते ही लगभग 0.5 फीसदी चढ़कर कारोबार करते नजर आए। यह तेजी कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही के मजबूत नतीजों के बाद देखने को मिली है। कंपनी का मुनाफा 6,921 करोड़ रहा, जो साल-दर-साल आधार पर 8.7 फीसदी अधिक है। हालांकि, पिछली तिमाही की तुलना में मुनाफे में 1.6 फीसदी की हल्की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी की कुल आय बढ़कर 42,279 करोड़ हो गई, जिसमें 7.5 फीसदी की वार्षिक वृद्धि हुई है। ब्रोकरेज कंपनियों ने इन नतीजों के बाद इन्फोसिस के शेयर पर अपनी राय साझा की है। अधिकतर ब्रोकरेज फर्मों ने बाय की रेटिंग बरकरार रखते हुए शेयर में आगे तेजी की संभावना जताई है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने इन्फोसिस का टारगेट प्राइस 1,700 से बढ़ाकर 1,850 कर दिया है, जो वर्तमान भाव 1,570 के मुकाबले करीब 18 फीसदी का अपसाइड दर्शाता है। ब्रोकरेज का मानना है कि कंपनी ने मजबूत नतीजे दिए हैं और स्थिर मुद्रा में रेवेन्यू अनुमान से बेहतर रहा है। नुवामा ने यह भी कहा कि भले ही निकट भविष्य में मांग कमजोर रह सकती है, लेकिन मध्यम से दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक है। जैसे ही वैश्विक आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आईटी पर

खर्च बढ़ेगा, जिससे इन्फोसिस को फायदा होगा। इस सकारात्मक आउटलुक के चलते निवेशकों के लिए इन्फोसिस में निवेश का यह उपयुक्त समय माना जा रहा है।

## वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मजबूत बनी भारतीय अर्थव्यवस्था: आरबीआई रिपोर्ट

**- भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक व्यापार और टैरिफ को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स के चलते स्थिर बनी हुई है। आरबीआई के बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में मुद्रास्फीति में कमी, खरीफ सीज़न की अच्छी संभावनाएं, सरकारी खर्च में तेजी, और अनुकूल वित्तीय स्थितियां आगे चलकर समग्र मांग को समर्थन देंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-आर्थिक विखंडन और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर है। साथ ही ढांचागत निवेश और उत्पादकता बढ़ाने वाले संरचनात्मक सुधार भविष्य में विकास को मजबूती प्रदान करेंगे। इस बीच मॉर्गन स्टेनली ने अनुमान जताया है कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025 में 6.5 फीसदी और 2026 में 6.7 फीसदी रहेगी। मुद्रास्फीति भी आरबीआई के अनुमानित लक्ष्य के भीतर रहने की संभावना है। हालांकि आरबीआई ने चेतावनी दी है कि 1 अगस्त 2025 से लागू होने वाली नई आयात शुल्क दरों को लेकर वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं अभी भी अस्थिर हैं, जिससे वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर असर पड़ सकता है।

## एन. चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 25 में 155.81 करोड़ का पारिश्रमिक मिला

**नई दिल्ली ।**

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 2025 में कुल 155.81 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक मिला, जो उन्हें देश के सबसे अधिक वेतन पाने वाले कॉरपोरेट लीडर्स में शामिल करता है। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15 फीसदी अधिक है। टाटा संस की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार` वित्त वर्ष 25 में कंपनी का शुद्ध लाभ 24.3 फीसदी घटकर 26,232 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 34,654 करोड़ रुपये था। चंद्रशेखरन को वेतन और अन्य भत्तों के रूप में 15.1 करोड़ रुपये मिले, जबकि शेष 140.7 करोड़ रुपये लाभ आधारित कमीशन के रूप में दिए गए। यह कमीशन कंपनी के शुद्ध लाभ का 0.6 फीसदी रहा, जबकि` वित्त वर्ष 24 में यह 0.4 फीसदी था। टाटा संस के कार्यकारी निदेशक सौरभ अग्रवाल का कुल पारिश्रमिक` वित्त वर्ष 25 में 7.7 फीसदी बढ़कर 32.7 करोड़ रुपये हो गया। सेवानिवृत्त चेयरमैन रतन टाटा के निधन के बाद बोर्ड में शामिल हुए नोएल टाटा को 1.42 करोड़ रुपये का लाभ आधारित कमीशन मिला। इसके अलावा मार्च 2025 में सेवानिवृत्त लियो पुरी को 3.13 करोड़ रुपये और अगस्त 2024 में सेवानिवृत्त भास्कर भट्ट को 1.33 करोड़ रुपये का कमीशन दिया गया। टाटा ट्रस्ट के निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने लाभ पर कमीशन लेने से मना कर दिया। हालांकि टाटा संस का मुनाफा घटा है, कंपनी के शीर्ष अधिकारियों को मिला पारिश्रमिक इस बात को दर्शाता है कि कंपनी नेतृत्व को प्रदर्शन के अनुसार पुरस्कृत करना जारी रखती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# भारत-पाक मैच की संभावना, बीसीसीआई संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप की मेजबानी के लिए तैयार

**नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में आगामी एशिया कप टी20 टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है और इसकी औपचारिक घोषणा कुछ ही दिनों में होने की उम्मीद है। एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के सूत्रों ने यह जानकारी दी।ACC की बैठक के बाद यह फैसला हुआ जिसमें सभी 25 सदस्य देशों ने आयोजन स्थल पर चर्चा के लिए हिस्सा लिया।

बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व इसके उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने वर्चुअली किया। ACC के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'BCCI UAE में एशिया कप की मेजबानी करेगा। भारत के अपने सभी मैच दुबई में खेलने की संभावना है। कार्यक्रम पर अब भी विचार-विमर्श चल रहा है।% यह टूर्नामेंट सितंबर में दो सप्ताह से थोड़ा अधिक समय तक चलेगा। इसे महीने के अंतिम सप्ताह से पहले समाप्त करना होगा क्योंकि इसी समय भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला खेलनी है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया, 'हमारे उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला एसीसी बैठक में शामिल हुए। वह सदस्यों को जानकारी देंगे। मैं अटकलों पर विश्वास नहीं करता इसलिए आपको कुछ दिनों में आधिकारिक तौर पर पता चल जाएगा।' ढाका में ACC अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भी महाद्वीपीय प्रतियोगिता में संभावित भारत-पाक मैच के बारे में पूछे जाने पर कुछ नहीं बताया।

नकवी ने पत्रकारों से कहा, 'हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। हमने बीसीसीआई के साथ चर्चा की थी और कुछ मुद्दे हैं जिन्हें हम जल्द ही सुलझा लेंगे। सभी 25 सदस्य बैठक में या तो शारीरिक रूप से या वर्चुअली शामिल हुए। हम सभी एकमत हैं।' यह भी पता चला है कि बीसीसीआई के दबाव के कारण एजेंडे के 10 मुद्दों में से केवल दो पर ही चर्चा हुई। अ

# ऋषभ इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर हुए, अगले छह सप्ताह तक खेल से दूर रहेंगे

**मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पैर के अंगूठे में फैक्चर के कारण करीब डेढ़ महीने के लिए खेल से बाहर हो गये है। ऋषभ ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ हो रही इस सीरीज से बाहर हो गये हैं जो भारतीय टीम के लिए एक बड़ा है। चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन ही इस बल्लेबाज को क्रिस वोक्स की एक तेज गेंद लगी थी। ऐसे में डॉक्टरों ने उन्हें तकरीब छह सप्ताह तक आराम करने कहा है। इस बल्लेबाज ने इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। जिसको देखते हुए टीम को उनकी कमी खलेगी। चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन ही वोक्स की गेंद पर वह चोटिल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। उन्हें दर्द ज्यादा होने के कारण एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। वहीं उनकी स्कैन जांच में फैक्चर पाया गया। जिससे वह कम से कम 6 सप्ताह तक क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। वह अब मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। बीसीसीआई की एक मेडिकल टीम अभी ये संभावना तलाश रही है कि क्या उन्हें पेन किलर देकर बल्लेबाजी के लिए उतारा जा सकता है हालांकि जिस प्रकार का दर्द उन्हें हुआ। उसे देखकर ये संभव नजर नहीं आता। वह वोक्स की चौथी गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलना चाहते थे पर ये गेंद बल्ले पर नहीं आई जिससे वह सीधे उनके पैर पर लगी। वह इसके बाद काफी देर तक दर्द से कराहते हुए नजर आए। गेंद लगने के बाद पंत के पैर में सूजन आ गई और खून निकलने लगा। वह पैर पर भार तक नहीं दे पा रहे थे। वह हाल में चोट से उबरे थे। इससे पहले उन्हें उंगली में चोट लगी थी।

# विश्वकप के लिए नये सिरे से तैयारी करनी होगी : हरमनप्रीत

**लंदन (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा है कि अब उनकी टीम स्वदेश लौटने के बाद एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियां करेगी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित हरमनप्रीत ने कहा कि इससे टीम का मनोबल बढ़ा है पर हमें यहीं नहीं रुकना है क्योंकि हर बार के हालात अलग होते हैं। इसलिए विश्वकप की शुरुआत नये सिरे से करनी होगी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप भी जीता है। वहीं अब भारतीय टीम 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा। जिसमें उसका लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा।

हरमनप्रीत ने कहा, ''हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। यहां परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। वहीं विश्वकप के दौरान घरेलू मैदान पर हालात अलग होंगे।'' उन्होंने कहा, ''जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''पर जब भी आप अगला मैच खेल रहे हों, तो आपको हमेशा पहली गेंद से ही शुरुआत करनी होती है और मुझे लगता है कि इस सीरीरज से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ेगा लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हम आत्ममुग्ध हो जायें। जब हम स्वदेश लौटेंगे तो हमें फिर से नई शुरुआत करनी होगी।' भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड दौरे में सफलता का श्रेय टीम वर्क को दिया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम पिछले कई वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही थी जिसका परिणाम अब मिल रहा है।

# मैनचेस्टर में टीम इंडिया का अनोखा रिकॉर्ड, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में हुआ ऐसा पहली बार

**मैनचेस्टर (एजेंसी)।** भारत और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच चौथा टीम टेस्ट मैच मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। लॉर्ड्स में हार के बाद भारतीय टीम ने 3 बदलाव किए। लगातार बल्ले से संघर्ष कर रहे करुण नायर की छुट्टी हुई। उनकी जगह साई सुदर्शन को मौका दिया गया। इसके अलावा चोटिल तेज गेंदबाज आकाशदीप की जगह अंशुल कंबोज को डेब्यू का मौका मिला।

मैनचेस्टर टेस्ट में भारतीय टीम ने अनोखा रिकॉर्ड बनाया। ये भारत के टेस्ट इतिहास में कभी भी नहीं हुआ। वॉशिंगटन सुंदर जैसे ही बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे, ये रिकॉर्ड भी बन गया। दरअसल, सुंदर इस पारी में भारत के लिए पांचवें बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट के अपने इतिहस में पहली बार भारतीय मेंस क्रिकेट टीम प्लेइंग इलेवन में पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ टेस्ट मैच खेल रही है।

मैनचेस्टर टेस्ट में भारतीय टीम ने अनोखा रिकॉर्ड बनाया। ये भारत के टेस्ट इतिहास में कभी भी नहीं हुआ। वॉशिंगटन सुंदर जैसे ही बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे, ये रिकॉ्ड भी बन गया। दरअसल, सुंदर इस पारी में भारत के लिए पांचवें बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट के अपने इतिहास में पहली बार भारतीय मेंस क्रिकेट टीम प्लेइंग इलेवन में पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ टेस्ट मैच खेल रही है।

भारत की प्लेइंग 11 में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंद के रूप में 5 बाएं हाथ के बल्लेबाजखेल रहे हैं। जायसवाल ने 107 गेंदों पर 58 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 1 छक्का लगाया। 3 नंबर पर उतरे साई सुदर्शन पारी को शतक में तब्दीलनहीं कर पाए। उन्होंने 7 चौकों की बदौलत 151 गेंदों पर 61 रन बनाए।

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पहले दिन चोट के कारण रिटायर हर्ट हुए थे। हालांकि, चोट के बावजूद भी वह दूसरे दिन बल्लेबाजी करने उतरे। दूसरे दिन लंच तक पंत 39 रन और सुंदर 20 रन बनाकर नाबाद हैं। रवींद्र जडेजा लगातार 5 अर्धशतक से चूक गए। पहली पारी में उन्होंने 40 गेंदों का सामना किया और 20 रन बनाए।

## शार्दुल को टीम में शामिल करना सही नहीं : सिद्धू

लंदन । पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए टीम में शामिल किये जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि कामचलाऊ खिलाड़ी टीम को जीत नहीं दिला सकते हैं । ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के चोटिल होने के बाद मैनचेस्टर टेस्ट में उनकी जगह शार्दुल ठाकुर को अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया । सिद्धू इस प्रकार के चयन करने से नाराज दिखे । सिद्धू ने कहा, 'आठवें नंबर पर अगर शार्दुल अर्धशतक भी बना दें तब भी वह फायदेमंद नहीं रहेंगे । साथ ही कहा कि इस प्रकार के क्रिकेटर एकदिवसीय क्रिकेट में तो अच्छा कर सकते हैं पर टेस्ट क्रिकेट में आपको हमेशा विशेषज्ञों की जरूरत होती है । अगर आप गेंदबाज शार्दुल को नंबर 8 पर ला रहे हैं तब तो मैं भी कहूंगा कि सही चयन नहीं है ।'

# जॉन सीना को मैकइंटायर ने मुकाबले के लिए ललकारा

न्यूजर्सी । डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर जॉन सीना को स्कॉटिश पेशेवर रेसलर मैकइंटायर ने मुकाबले की चेतावनी दी है । मैकइंटायर का वास्तविक नाम एंड्रयू मैकलीन गैलोवे है । सीना को समरस्लैम 2025 में कोडी रोड्स के खिलाफ डब्यूडब्यलूई चैंपियनशिप का बचाव करना है । वहीं अब बीच में मैकइंटायर आ गये है । मैकइंटायर ने सीना का मजाक उड़ाते हुए डब्ल्यूडब्लयूई चैंपियनशिप जीतने के लिए अपनी दावेदारी पेश की है । सीना का अंतिम मुकाबला संन्यास से पहले गुंथर से होना था । वहीं अब मैकइंटायर ने कहा कि मैं पांच हफ्ते के लिए बाहर था । मैं वापस आया हूं । मैं उन व्यक्तिगत मुद्दों में शामिल नहीं हो रहा हूं जिनमें मैं पिछले दो सालों से शामिल था । मैं अब खिताब वापस जीतना चाहता हूं । रैंडी ऑर्टन पर जीत से मेरी शुरुआत होगी । जॉन सीना डब्ल्यूडब्लयूई के बड़े स्टार हैं । उन्होंने कई सालों तक डब्ल्यूडब्लयूई में काम किया है । उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं । सीना का रिटायरमेंट डब्ल्यूडब्लयूई के लिए एक बड़ा नुकसान होगा । ड्रू मैकइंटायर भी डब्ल्यूडब्लयूई के बड़े स्टार हैं । उन्होंने कई चैंपियनशिप जीती हैं । मैकइंटायर चैंपियनशिप में सीना को हराने में सक्षम माने जाते हैं । वहीं सीना और रोड्स के बीच मुकाबला बहुत ही रोमांचक होने वाला है । इस मैच को देखने के लिए प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं । यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन यह मैच जीतता है ।

# शास्त्री के पसंदीदा पांच खिलाड़ियों में सचिन पहले नंबर पर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री के पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, कपिल देव, विराट कोहली और एमएस धोनी हैं । शास्त्री ने इनमें से गावस्कर और कपिल और सचिन के साथ खेला है जबकि बाकि दो के वह कोच रहे हैं । उनके अनुसार सचिन सबसे प्रभावशाली क्रिकेटर रहे हैं । शास्ती ने अपने करियर में 80 टेस्ट और 150 वनडे मैच खेले, जिसमें 3830 और 3108 रन बनाए । उन्होंने टेस्ट में 151 और एकदिवसीय में 129 विकेट लिए। शास्त्री एक कार्यक्रम में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और एलेस्टेयर कुक के साथ बातचीत कर रहे थे । इसी दौरान जब शास्त्री से भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली और महान खिलाड़ियों के नाम पूछे गए तो उन्होंने कहा कि कि। इन पांच खिलाड़ियों ने अलग-अलग तरीकों से और विभिन्न पीढ़ियों पर प्रभाव छोड़कर भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदला। शास्त्री ने सचिन से शुरुआत की, जिन्होंने 20 से ज्यादा साल तक भारतीय फैंस की उम्मीदों का भार संभाला । वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाल एकमात्र खिलाड़ी हैं । उन्होंने 34357 सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं । वहीं गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट को एक नया आत्मविश्वास दिया । वह 10 हजार टेस्ट रनों का आंकड़ा हासिल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी थे । कपिल देव ने महान कप्तान और ऑलराउंडर के तौर पर भारत को 1983 का विश्व कप जिताया । वहीं विराट ने अपने आक्रामक अंदाज से कप्तान और कोच के तौर पर भारत को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया । कोहली भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तान हैं । उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में कप्तानी करने के बाद 40 जीते । उन्होंने मई 2025 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया । वहीं पूर्व कप्तान धोनी ने भारत को तीन आईसीसी ट्रॉफी जिताई ।

# संजय मांजरेकर ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल की आलोचना की, बताई आउट होने की वजह

**मैनचेस्टर(एजेंसी)।** भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल जो एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत के बाद वाहवाही बटोर रहे थे, अब मैदान के अंदर और बाहर दोनो जगह आलोचनाओ का सामना कर रहे है।

पहले दो टेस्ट मैचो में दो शतक और एक दोहरा शतक लगाने के बाद तीसरे टेस्ट लॉर्ड्स में गिल की कहानी ने एक नया मोड़ लिया। जहा उनके प्रदर्शन में गिरावट आई और पहली पारी में 16 रन, दूसरी पारी में 6 रन ही बना पाए। अब मैनचेस्टर में चल रहे चौथे टेस्ट मैच में भी गिल पहली पारी में कुछ खास नही कर पाए और केवल 12 रन बनाकर आउट हो गए। पूर्व भारतीय खिलाडी और क्रिकेट कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें निशाना बनाया और गिल के प्रदर्शन पर बड़ा बयान दिया।

मांजरेकर ने जियो हॉटस्टार पर कहा, 'गिल, जो पहले पूरी ताकत से बल्लेबाजी कर रहे थे, अचानक अनिश्चित दिखने लगे। उनके रक्षात्मक आउट होने से पता चलता है कि वह हिचकिचाहट के साथ खेल रहे हैं, न कि उस आज़ादी के साथ जो हमने एजबेस्टन में देखी थी।'

आगे मांजरेकर ने कहा, 'हालाँकि गिल अभी भी सीरीज़ में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी हालिया पारियाँ लॉर्ड्स विवाद के बाद आई मानसिक रुकावट का संकेत देती हैं। यह कोई लंबा और खराब दौर नहीं है, बल्कि एक ऐसा दौर है जहाँ मानसिक दबाव और बाहरी शोर उनके खेल में साफ़ तौर पर घुस आया है।'

गौर है कि मैनचेस्टर में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर मेहमानों को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहली पारी में भारत ने चार विकेट खोकर 264 रन बनाए है। स्टंप्स के समय रवींद्र जडेजा 19* और शार्दुल ठाकुर 19* रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है।

# एशिया कप सात सितंबर से दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा !

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में शामिल होने के लिए तैयार होने से अब एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन की राह साफ हुई है । एक रिपोर्ट के अनुसार ये टूर्नामेंट 7 सितंबर से शुरु होने की संभावना है । टी20 प्रारुप में होने वाला ये टूर्नामेंट दो शहरों में खेला जा सकता है। इसका आयोजन दुबई और अबू धाबी में किये जाने की संभावना है। टूर्नामेंट की रूप रेखा तय की जा रही है पर ये साफ हो गया है कि है इस बार 8 टीमों के साथ ये टूर्नामेंट खेला जाएगा। इसमें सदस्य देशों के साथ ही एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता भी रहेंगे। पूर्ण सदस्य देशों की बात करें तो इसमें भारत के अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी शामिल है जबकि एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता यूएई, ओमान और हॉन्ग कॉन्ग थे । इस तरह कुल 8 टीमें इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली हैं । रिपोर्ट के अनुसार 7 सितंबर से 21 सितंबर तक एशिया कप 2025 खेला जा सकता है । टी20 विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में होगा । पिछली बार एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन बड़े प्रारुप में हुआ था। हाइब्रिड मॉडल के तहत तब पाकिस्तान और श्रीलंका में मैच आयोजित किए गए थे ।

# सात्विक-चिराग की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, प्रणय को मिली हार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कर्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौरे के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हार कर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना रेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-15 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया। वहीं दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14-10 की बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया और आखिरी क्षणों में भी संयम बनाए रखते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

# लियाम डॉसन को शामिल करने से इंग्लैंड को मजबूती मिली है : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान

मैनचेस्टर - इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को टीम में शामिल करने से मेजबान टीम को मजबूती मिली है क्योंकि वह ऑलराउंडर हैं और टीम को आवश्यक संतुलन प्रदान करते हैं । शोएब बशीर की चोट के कारण आठ साल के अंतराल के बाद अंतिम एकादश में शामिल किए गए 35 वर्षीय डॉसन ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल को अपनी सातवीं गेंद पर ही आउट करके अपना प्रभाव छोड़ा । वॉन ने 'टेस्ट मैच स्पेशल' पॉडकास्ट में कहा, 'वह ऐसे क्रिकेटर हैं जिनसे कप्तान अच्छी गेंदबाजी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी फील्डिंग की उम्मीद कर सकता है । वह संपूर्ण पैकेज हैं जिनके टीम में रहने से इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में भी मजबूती मिलेगी ।' डॉसन ने इससे पहले अपना आखिरी टेस्ट मैच 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था । उन्होंने काउंटी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके इंग्लैंड की टीम में वापसी की। गौर हो कि इंग्लैंड के खिलाफ सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58 रन) के अर्धशतक के बाद साई सुदर्शन (61 रन) ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए फिफ्टी लगाई जिससे भारत ने बुधवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए । दिन का खेल समाप्त होने तक रविंद्र जडेजा और शारदुल ठाकुर 19-19 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पैर में चोट लगने के कारण 'रिटायर्ड हर्ट' हो गए ।

# 'यह समझना मुश्किल है', पूर्व क्रिकेटर ने मैनचेस्टर टेस्ट के लिए भारतीय प्लेइंग 11 पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर मुरली कार्तिक ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारतीय प्लेइंग 11 पर सवाल उठाए हैं। मेहमान टीम को फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण मैनचेस्टर में कुछ जरूरी बदलाव करने पड़े थे। आकाश दीप की चोट के कारण अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया और अंततः ओल्ड ट्रैफर्ड में उन्होंने डेब्यू किया। इसके अलावा करुण नायर के खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर कर दिया गया और साई सुदर्शन को वापस बुलाया गया।कार्तिक ने फिट होने के बावजूद प्रसिद्ध कृष्णा को प्लेइंग 11 से बाहर किए जाने पर सवाल उठाए।

पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर ने कहा, %करुण नायर की जगह सुदर्शन को टीम में शामिल किया गया। आकाश दीप नहीं खेल रहे थे, और अंशुल कंबोज को पदार्पण का मौका मिला। शार्दुल ठाकुर की वापसी दिलचस्प है क्योंकि अगर हम देखें, तो प्रसिद्ध कृष्णा अभी भी दो टेस्ट मैच खेलने के लिए फिट थे और अब अचानक, वह अंतिम एकादश में फिट नहीं बैठते। अंशुल कंबोज टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन उन्हें बाहर से बुलाया गया है और टीम में शामिल हर्षित राणा को खेलने का मौका नहीं दिया गया। इसलिए यह समझना मुश्किल है कि इससे क्या संदेश जाता है।'

गौर हो कि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58 रन) के अर्धशतक के बाद साई सुदर्शन (61 रन) ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए फिफ्टी लगाई जिससे भारत ने बुधवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए। दिन का खेल समाप्त होने तक रविंद्र जडेजा और शारदुल ठाकुर 19-19 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पैर में चोट लगने के कारण 'रिटायर्ड हर्ट% हो गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# जानलेवा है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस जानलेवा बीमारी है। जिसमें हेपटाइटिस बी लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला मर्ज है। हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड हेपटाइटिस डे, इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। हेपेटाइटिस के कारण लिवर में सूजन आ जाती है। हेपेटाइटिस संक्रामक बीमारियों का एक समूह है जिसे हेपटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के रूप में जाना जाता है। इसलिए इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है।

भारत में फैलने का प्रमुख कारण

भारत में हेपटाइटिस फैलने का प्रमुख कारण मां से बच्चे में वायरस का संचारित होना है। इसके अलावा असुरक्षित रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित सुइयों का इस्तेमाल भी बीमारी के फैलने का कारण है। हेपेटाइटिस बी का वायरस खून, सीमन और शरीर के अन्य तरल पदार्थ के जरिए संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है।

## हेपेटाइटिस के लक्षण

त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ जाना

भूख न लगना

उल्टी आना

बुखार और थकान जो कई सप्ताह या महीनों तक बना रहे

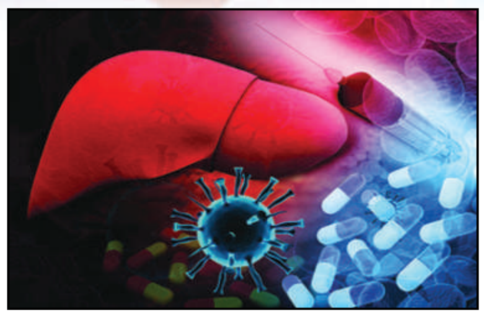

## ऐसे करें हेपेटाइटिस से बचाव

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं क्योंकि इस बीमारी में लापरवाही घातक साबित हो सकती है।

हेपटाइटिस, मॉनसून के दौरान अधिक फैलता है, इसलिए इस मौसम में तैलीय, मसालेदार, मांसाहारी और भारी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।

पॉलिश किए हुए सफेद चावल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट्स, ऐल्कॉहॉल से दूरी बनानी चाहिए

शाकाहारी आहार, ब्राउन राइस, हरी पत्तेदार सब्जियां, विटमिन सी युक्त खट्टे फल, पपीता, नारियल पानी, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम और इलायची का भरपूर सेवन करें।

# हार्ट और हड्डियों के लिए भी खतरनाक है बर्गर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारे रूटीन में शामिल हो जाते हैं, पता भी नहीं चलता है। आजकल बर्गर हर किसी के फेवरिट फूड्स में से शामिल है। काम के बीच में अगर आपको भूख लगती है तो आपकी मदद के लिए बर्गर तुरंत आ जाता है। ज्यादातर लोग बर्गर खाने के खतरों से अनजान हैं। बर्गर आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है भले ही आप इसे कभी-कभी ही क्यों ना खाते हों। दरअसल बर्गर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं। फास्ट फूड में आम तौर पर अत्यधिक संतृप्त और ट्रांस फैटी ऐसिड होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

## हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा

पर्याप्त फल खाने से ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ऐसा भोजन, जो संतृप्त वसा से भरा हुआ है, आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वसायुक्त भोजन को लगातार करने से धमनियां काफी बिगड़ जाती हैं। इससे ब्लड फ्लो में बाधा उत्पन्न होती है। ब्लड फ्लो के इस प्रतिबंध से भविष्य में हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है। बर्गर जैसे फास्ट फूड से बच्चों में अस्थमा, एग्जिमा, खुजली और आंखों से पानी आना जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। खाने में पोषक तत्वों की कमी ऐलर्जी संबंधी बीमारियों को पनपने का मौका देती है।

## बीमारियों का भंडार है बर्गर

बर्गर कैलरी, वसा और अतिरिक्त सोडियम से भरे होते हैं। ये सभी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं। एक बर्गर में 500 कैलरी, 25 ग्राम वसा, 40 ग्राम कार्ब्स, 10 ग्राम चीनी और 1,000 मिलीग्राम सोडियम होता है, जो आपको बीमार करने के लिए पर्याप्त है।

## डायबीटीज

बर्गर की पहली बाइट खाने के 15 मिनट बाद आपके शरीर में ग्लूकोज की भारी वृद्धि हो जाती है। यह इंसुलिन रिलीज करने को बढ़ावा देता है, जिससे आपको कुछ घंटों में फिर से भूख लगती है। इस पैटर्न को दोहराने से मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। एक बार में अत्यधिक कैलरी लेने से शरीर की कोशिकाओं पर ऑक्सिडेटिव तनाव पड़ता है।

## विटमिन डी की कमी

बर्गर के चलते फैट की अधिकता और विटामिन-डी और कैल्शियम की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। हड्डियां टेढ़ी होने लगती हैं। बर्गर में मौजूद फैट, नमक या शुगर के चलते पेट तो भर जाता है लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटमिन, कैल्शियम या मिनरल नहीं मिल पाते।

# हाई ब्लड शुगर के कारण बढ़ सकता है पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा

हाल ही में हुए एक स्टडी के अनुसार हाई ब्लड शुगर के कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार, हाई ब्लड शुगर पैंक्रियाज में हेल्दी सेल्स के काम को रोक देता है और सेल काउंट बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। यह स्टडी कोरिया में हुई है और इसका निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म' में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में बताया गया है कि पैन्क्रियाटिक कैंसर से ग्रसित और पांच साल तक जिंदा रहने वाले लोगों की संख्या सिर्फ 9 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का इलाज बहुत मुश्किल है और अक्सर लास्ट के स्टेज तक इसके बारे में पता नहीं चल पाता है। जब तक इसके बारे में जानकारी होती है, यह कैंसर पैंक्रियाज से शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाता है। स्टडी से जुड़े लेखक चेओल-यंग पार्क ने बताया, 'पैन्क्रियाटिक कैंसर के मेजर रिस्क फैक्टर्स में से एक है हाई ब्लड शुगर। उन्होंने कहा, 'जब हमने नैशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करते हुए फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर के अनुसार पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया, तो हमने पाया कि पैन्क्रियाटिक कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है क्योंकि ग्लूकोज का स्तर बढ़ गया था। यह दोनों तरह के लोगों में था, जिन्हें डायबीटीज की समस्या थी और जिन्हें डायबीटीज नहीं था। इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने 25 मिलियन से अधिक मरीजों के नैशनल कोहार्ट डेटाबेस का उपयोग करके बल्ड शुगर लेवल के अनुसार कोरिया में पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पाया कि जैसे-जैसे बल्ड शुगर लेवल बढ़ता है, पैन्क्रियाटिक कैंसर का रेट डायबेटिक से साथ-साथ वैसे लोगों में भी बढ़ा था, जिनका डायबीटीज ठीक हो चुका था और जिनका बल्ड शुगर लेवल सामान्य था। पार्क ने कहा, 'हमारे शोध के अनुसार, हेल्थ चेकअप से हाइपोग्लाइसीमिया के बारे में जल्द पता चलना और ग्लूकोज प्रोफाइल में सुधार के लिए जीवन शैली सुधार करके पैन्क्रियाटिक कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।'

# कब्ज, ऐसिडिटी दूर करती है सौंफ

**आज के समय में ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्य होना आम बात हो गई है। आजकल के खानपान के चलते ये बीमारी किसी भी आयु के व्यक्ति हो सकती है। ब्लड प्रेशर का बढना और कम होना घातक होता है। ब्लड प्रेशर से सीधा हार्ट अटैक की समस्या हो जाती है। अगर आप भी इन बिमारी से बचना चाहते है तो आप सिर्फ सौंप का सेवन करें।**

आज हम आपको सौंप के होने वाले कई फायदे बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। सौंफ खाने से स्वास्थ्य संबंधी अन्य कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं, आइए जानते है।

## कंट्रोल में रहता है बीपी

सौंफ के पानी में पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

## वजन घटाती है सौंफ

सौंफ में आपके दैनिक जरूरत का 17 फीसदी विटमिन सी, 7 फीसदी कैल्शियम, 6 फीसदी आयरन, 6 फीसदी मैग्नीशियम, 3 फीसदी पोटैशियम और 19 फीसदी मैग्नीज होता है। इसमें कैलरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा सौंफ में ऐसे ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे आपके शरीर में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी तेजी से घटती है।

सौंफ पेट की सभी समस्याओं में फायदेमंद होती है। सौंफ का पानी पीने से और सौंफ खाने से कब्ज, ऐसिडिटी और अपच की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सौंफ पाचन की क्रिया को तेज करती है।

## शरीर में खून भी बढ़ेगा

सौंफ में आयरन की मात्रा अच्छी खासी होती है। यही कारण है कि सौंफ के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अनीमिया (खून की कमी) के रोगियों के लिए सौंफ खाना और इसका पानी पीना फायदेमंद हो सकता है।

## खून भी होता है साफ

सौंफ में शरीर को डीटॉक्स करने का गुण प्राकृतिक रूप से होता है। यही कारण है कि सौंफ का पानी पीने और सूखी सौंफ खाने से खून में मौजूद गंदगी बाहर निकल जाती है। इससे खून साफ होता है और त्वचा पर निखार आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## शिरडी के साईं संस्थान को मिला धमकी भरा मेल

शिरडी (एजेंसी)। शिरडी के साईं संस्थान को एक धमकी भरा मेल मिला है। मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी वाला यह मेल भगवंत मान ऐट द रेट यांडेक्स डॉट कॉम नाम के ईमेल आईडी से आया है। शिरडी के साईं संस्थान ने इस मामले की जानकारी पुलिस को दे दी है। पुलिस साइबर विशेषज्ञों की मदद से ईमेल भेजने वाले की तलाश कर रही है। आपको बता दें कि इससे पहले भी शिरडी के साईं संस्थान को फोन करके या ईमेल भेजकर धमकी देने के मामले सामने आ चुके हैं। हर बार धमकी मिलने पर पुलिस तुरंत जांच शुरू कर देती है। धमकी भेजने वाले की तलाश की जाती है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है। शिरडी के साईं मंदिर में हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। साईं बाबा के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। इसी वजह से मंदिर में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं। साथ ही, मंदिर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। मगर आए दिन धमकी भरे मेल आ रहे हैं जो चिंता का विषय बन गया है।

## धर्मांतरण मामले में तीन और गिरफ्तार, अब तक 14 आरोपी हिरासत में

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में अवैध धर्मांतरण से जुड़े एक मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अवैध धर्मांतरण का यह मामला इसी साल मई में दर्ज हुआ था और अब तक इस केस में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की कुल संख्या 14 हो गई है। पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है, कि पुलिस द्वारा यह कार्रवाई भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धाराओं के तहत दर्ज मामले की जांच के तहत की गई है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों की पहचान जुनैद कुरैशी (30), अब्दुल्ला (20) और अब्दुल रहीम (27) के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, ये तीनों आरोपी उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निवासी हैं और उन्हें बुधवार को आगरा के आईएसबीटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस बयान में यह भी बताया गया, कि इन तीनों के नाम पहले से गिरफ्तार संदिग्धों से हुई पूछताछ के दौरान सामने आए थे। बताते चलें कि धर्मांतरण मामले की जांच लगातार जारी है, और पुलिस का कहना है कि जरूरत पड़ने पर और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

## ओडिशा में आग के हवाले की गई लड़की की हालत अब भी गंभीर, दिल्ली एम्स में सर्जरी हुई

पुरी (एजेंसी)। पुरी जिले में आग के हवाले की गई 16 वर्षीय लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है। उसका दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उपचार चल रहा है। एम्स दिल्ली ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे हुए हिस्से के इलाज के लिए लड़की की सर्जरी की गई है। बयान में कहा गया है, वह फिलहाल ऑक्सीजन सपोर्ट पर है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी हालत पर कड़ी नजर रख रही है। लड़की को एम्स भुवनेश्वर से विमान से 20 जुलाई को एम्स दिल्ली के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग में भर्ती किया गया था। पुलिस ने बताया कि शनिवार को बाइक सवार तीन युवकों ने लड़की को रोक लिया और लड़की को भार्गवी नदी के किनारे जबरन ले गए, उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर कहा कि देश को अपने सबसे कमजोर लोगों की रक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए। इस स्थिति को शर्मनाक बताकर अदालत ने कहा कि स्कूली छात्राओं, गृहणियों और ग्रामीण बच्चों को सशक्त बनाने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक दोनों तरह के कदम उठाने की आवश्यकता है।

## जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में आतंकी मददगारों का भंडाफोड़, भारी मात्रा में हथियार बरामद

जम्मू (एजेंसी)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता मिली है। चिट्टी-बांदी इलाके में चलाए गए नाका जांच अभियान के दौरान तीन आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी है कि सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने नाके पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के चलते तीन व्यक्तियों को रोका। तलाशी के दौरान उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ, जिसके बाद तीनों को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक जांच में सामने आया कि ये तीनों स्थानीय आतंकियों के लिए लॉजिस्टिक और गोपनीय सहायता का काम करते थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आतंकवाद से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया और उनसे पूछताछ जारी है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है, कि इस कार्रवाई से एक सक्रिय आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद जागी हैं। इसी के साथ सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान और तेज कर दिया है। इस सफलता को क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए अभियान और सुरक्षाबलों के प्रयासों में एक बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है।

## टेक-ऑफ से पहले विमान में आई तकनीकी खराबी, एयर इंडिया ने दूसरे विमान से यात्रियों को भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मुंबई जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान को बुधवार शाम टेक-ऑफ से पहले तकनीकी खराबी के चलते रद्द कर दिया गया। विमान में 160 यात्री सवार थे, जिन्हें बाद में वैकल्पिक विमान से गंतव्य के लिए रवाना किया गया। एयर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विमान के कॉकपिट में गति मापदंडों को दिखाने वाली स्क्रीन में गड़बड़ी पाई गई, जिसके बाद पायलट ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उड़ान रद्द करने का निर्णय लिया। यह घटना दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतारा गया और उन्हें दूसरे विमान में बैठाकर मुंबई भेजा गया। उन्होंने इस असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया। एयर इंडिया ने भरोसा दिलाया है कि तकनीकी खामियों से निपटने के लिए उचित जांच की जा रही है और यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# प्रियंका गांधी वाड्रा का आरोप, सदन के अंदर विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता

### बीजेपी का पलटवार, अराजकता फैलाना कांग्रेस की आदत बन गई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर राजनीति थम नहीं रही है। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का बयान सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी विपक्षी नेता सदन में बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका ने संसद परिसर में मीडिया से बातकर मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। प्रियंका गांधी ने कहा, जब भी विपक्षी दल के नेता बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। हम चर्चा की मांग करते रहे हैं और उन्हें हमारी मांग पर सहमत होना चाहिए। पिछले सत्र में मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि व्यवधान सत्ता पक्ष की ओर से शुरू

होता है। वे कोई विषय चुनते थे, ताकि हम उस पर प्रतिक्रिया दें। फिर हंगामा होता है और फिर हमेशा की तरह सदन स्थगित हो जाता था। यह उनके लिए बिल्कुल सही है।

यह पहली बार नहीं है जब किसी विपक्षी नेता ने मोदी सरकार पर सदन में नहीं बोलने देने का आरोप लगाया है। इससे पहले, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि मैं विपक्ष का नेता हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था, सवाल ये है कि जो सदन में रक्षा मंत्री को बोलने देते हैं, उनके (सरकार) लोगों को बोलने देते हैं, लेकिन अगर विपक्ष का कोई नेता कुछ कहना चाहता है तब अनुमति नहीं दी जाती है। मैं विपक्ष का नेता हूं, मेरा हक है, तब मुझे कभी बोलने ही नहीं देते हैं। ये एक नया एप्रोच है।

हालांकि, विपक्षी नेताओं के आरोपों पर भाजपा नेताओं ने पलटवार किया था। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा था कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। वे बस सदन की कार्रवाई को बाधित करना चाहती है। सत्र के दौरान अराजकता फैलाना कांग्रेस की आदत बन गई है।

## मतदाता सूची में नाम हटने पर फिर से जुड़वाने का मौका, चुनाव आयोग का ऐलान

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर उठ रहे राजनीतिक विवाद के बीच चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक अहम स्पष्टिकरण जारी किया है। आयोग ने कहा है कि यदि किसी वैध मतदाता का नाम गलती से हट गया है, तो वह 1 अगस्त से 1 सितंबर के बीच में जरूरी दस्तावेजों के साथ अपना नाम दोबारा जुड़वा सकता है। दरअसल चुनाव आयोग ने साफ किया है, कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को सटीक और अद्यतन बनाना है, न कि किसी समुदाय या समूह को निशाना बनाना। आयोग के अनुसार, यदि तकनीकी कारणों या दस्तावेजों की कमी के चलते कोई वैध नाम सूची से कट गया हो, तो मतदाता या राजनीतिक दल निर्धारित समय सीमा में फॉर्म भरकर पुनः नाम जुड़वाने का आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही आयोग ने यह भी कहा कि अगर किसी अवैध मतदाता का नाम सूची में पाया जाता है, तो प्रमाण मिलने पर उसे तुरंत हटाया जाएगा। आयोग ने अपने आदेश में इस पूरी प्रक्रिया को एक नियमित प्रशासनिक अभ्यास करार दिया।

**विपक्ष का आरोप** – इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद भी गर्माया हुआ है। राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों ने आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर अल्पसंख्यक, दलित और गरीब तबकों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। तेजस्वी यादव ने इसे जनतंत्र पर हमला बताते हुए चुनाव का बहिष्कार करने तक की चेतावनी दे दी है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि आयोग का यह बयान विरोध के दबाव में दिया गया है, जबकि सत्तारूढ़ एनडीए इस सफाई को पारदर्शिता की पहल बता रहा है।

## शौचालय कर्मचारी को पीटा कहा- मराठी बोल नहीं तो राज ठाकरे से माफी मांग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नांदेड़, (ईएमएस)। मराठी भाषा बोलने को मजबूर कर रहे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने एक बार फिर मारपीट की है। राज ठाकरे की मनसे के कार्यकर्ताओं ने एक पब्लिक शौचालय कर्मचारी को केवल इसलिए पीटा क्योंकि उसने मराठी में बात करने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें मनसे कार्यकर्ता कर्मचारी को थप्पड़ मारते और राज ठाकरे और मराठी समुदाय से माफी मांगने के लिए मजबूर करते नजर आ रहे हैं।

यह घटना नांदेड़ के केंद्रीय बस स्टैंड पर स्थित एक सार्वजनिक शौचालय में हुई। एक मराठी भाषी व्यक्ति ने शौचालय कर्मचारी पर आरोप लगाया कि वह महिलाओं से शौचालय इस्तेमाल के लिए 5 रुपये वसूल रहा है। इस दौरान उसने कर्मचारी से मराठी में बात करने को कहा, लेकिन कर्मचारी ने गुस्से में जवाब दिया, मैं मराठी में नहीं बोलूंगा, तुम क्या कर लोगे? जब उसने शौचालय के कर्मचारी से नाम पूछा, तो कर्मचारी ने टालमटोल करते हुए कहा, तू क्या बड़ा नेता है? इसके बाद व्यक्ति ने कर्मचारी से मराठी में बात करने को कहा, जिस पर कर्मचारी ने जवाब दिया, नहीं बोलूंगा, क्या कर लोगे? इस जवाब को अपमानजनक मानते हुए मराठी व्यक्ति ने इस बातचीत का वीडियो बनाया और इसे मनसे कार्यकर्ताओं को भेज दिया।

अगले दिन, मनसे के कार्यकर्ता, जिन्होंने अपने गले में पार्टी के प्रतीक और नाम वाले स्कार्फ पहने थे, शौचालय पहुंचे। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि कार्यकर्ताओं ने कर्मचारी को घेर लिया और उसे थप्पड़ मारे। एक कार्यकर्ता को यह कहते सुना गया, तू महिलाओं का अपमान कर रहा है? मराठी बोलेगा या नहीं? मराठी आती है तुझे? जब कर्मचारी ने कहा कि उसे मराठी नहीं आती, तो कार्यकर्ताओं ने कहा, अगर तूने कहा होता कि तुझे मराठी नहीं आती और तू सीख रहा है, तो क्या हम यहां होते? इसके बाद कर्मचारी को जबरन मराठी में माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। उसे अपने कान पकड़कर कहना पड़ा, मैं मराठी लोगों और राज ठाकरे से माफी मांगता हूं। मैं ऐसी गलती दोबारा नहीं करूंगा। यह मामला उस वक्त और गंभीर हो गया जब हमले से पहले के वीडियो में वही व्यक्ति बस अड्डे के टिकट काउंटर पर जाकर कर्मचारियों से पूछता है कि महिलाओं के लिए शौचालय मुफ्त क्यों नहीं है। वह कहता है कि यह वीडियो वह राज ठाकरे के लोगों को दिखाएगा।

# देश को 23 साल बाद मिली नई सहकारिता नीति, अमित शाह बोले- 2047 तक भारत बनेगा विकसित

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को एक नई राष्ट्रीय सहकारी नीति का अनावरण किया, जो पिछले 23 वर्षों से लागू एक नीति का स्थान लेगी। यह उस विभाग के लिए एक और मील का पत्थर साबित होगी जिसकी भूमिका नरेंद्र मोदी सरकार के तहत लगातार बढ़ रही है। सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, नई नीति देश में सहकारिता को मजबूत करने के केंद्र के उद्देश्य का हिस्सा है और 2025-45 तक यानी अगले दो दशकों के लिए भारत के सहकारिता आंदोलन में एक मील का पत्थर साबित होगी।

अमित शाह ने कहा कि आज राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का शुभारंभ हुआ है। 2002 में, भारत सरकार ने सहकारिता नीति पेश की थी। उस समय भाजपा की सरकार थी। और आज, 2025 में, भाजपा सरकार द्वारा दूसरी सहकारिता नीति लाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का दृष्टिकोण, जो भारत को, उसके विकास को, और भारत के विकास के लिए आवश्यक सभी कारकों को समझता है, वही सहकारी क्षेत्र को महत्व दे सकता है...यदि देश और अर्थव्यवस्था की मूल इकाई समृद्ध, रोजगारयुक्त और संतुष्ट है, तो वह आर्थिक मॉडल कभी विफल नहीं हो सकता।

शाह ने जोर देकर कहा कि सहकारिता नीति बनाते समय इस बात का ध्यान रखा गया कि नीति का केंद्रबिंदु लोग, गाँव, कृषि, गाँव की महिलाएँ, दलित, आदिवासी हों। एक वाक्य में कहें तो इसका विज़न सहकारिता की समृद्धि के माध्यम से 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण करना है। इसका मिशन पेशेवर, पारदर्शी, तकनीकी, जिम्मेदार और आर्थिक रूप से स्वतंत्र तथा सफल लघु सहकारी इकाइयाँ विकसित करना है। हम हर गाँव में कम से कम एक सहकारी संस्था के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 2027 में भारत को विश्व के तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनाने का लक्ष्य रखा है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम इस लक्ष्य तक जरुर पहुंच जाएंगे। सबका सामूहिकता के साथ विकास हो, सबका समविकास हो और सबके विकास के माध्यम से देश का विकास हो- ऐसा मॉडल बनाना भारत का और भाजपा का मूल विचार है। इसलिए मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय बनाया। उन्होंने कहा कि विगत 4 वर्षों में सहकारिता मंत्रालय की अनेक उपलब्धियां रही, मगर इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है कि आज देश की छोटी से छोटी सहकारी इकाई का सदस्य गर्व के साथ खड़ा हो गया है।

गृह मंत्री ने कहा कि चार वर्षों के अंदर %कोआपरेटिव सेक्टर% ने %कॉर्पोरेट सेक्टर% के समान अधिकार मिले हैं। एक जमाने में अर्थतंत्र के जानकारों ने सहकारिता को डायिंग सेक्टर घोषित कर दिया था। आज वही लोग कहते हैं कि सहकारिता का भी फ्यूचर है। लेकिन मैं सभी को कहना चाहता हूँ कि सहकारिता का भी फ्यूचर है नहीं, सहकारिता का

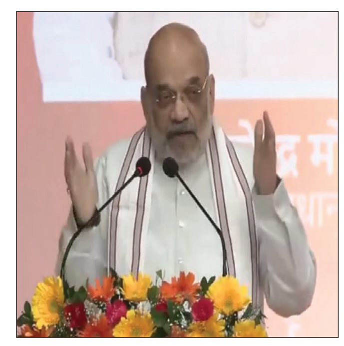

ही फ्यूचर है। उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ लोगों को साथ लेकर देश का समविकास करने की क्षमता केवल सहकारिता में ही है। छोटी-छोटी पूंजी वाले अनेक लोगों को मिलाकर बड़ी पूंजी बनाकर एक उद्यम स्थापित करने की क्षमता केवल सहकारिता में है। सहकारी नीति बनाते समय यह ध्यान में रखा गया कि नीति का केंद्र-बिंदु व्यक्ति हो... हमारे किसान, दलित और महिलाएं हो।

## हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण दो नेशनल हाईवे सहित कुल 385 सड़कें बंद

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड से दो नेशनल हाईवे सहित कुल 385 सड़कें बंद हैं। राज्य में 22 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से, अब तक 137 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 लापता हैं। इस दौरान 1382 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति भी नष्ट हो चुकी है। उधर हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर नहरों में चार लाशें मिलीं। दिल्ली-एनसीआर में बीते दिन लगातार बारिश से सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया। नोएडा में 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बिहार में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। देर रात कोसी बराज के 26 गेट खोले गए और करीब 1.73 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

# धनखड़ का इस्तीफा: विपक्ष तलाश रहा अपनी संभावनाएं, पर एकजुट नहीं हो पा रहे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा के विरोधी दल जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को अपना हथियार बनाना चाहते हैं। इसके लिए कुछ दलों ने आपस में बात भी की लेकिन सभी दलों में सहमति नहीं बन पा रही है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी पार्टियां इस घटनाक्रम को केंद्र सरकार पर हमला करने के मौके के तौर पर देख रही हैं। विपक्ष पहले जहां धनखड़ को 'सरकार की कठपुतली' कहता था, अब वही विपक्ष उन्हें 'संविधान के रक्षक' की तरह प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और समाजवादी पार्टी (सपा) ने उनके अचानक इस्तीफे पर सवाल खड़े किए हैं। अटकलें हैं कि कहीं उन्हें जबरन इस्तीफा तो नहीं देना पड़ा?

टीएमसी तो धनखड़ के खिलाफ महाभियोग लाने को तैयार थी, लेकिन दो कांग्रेस सांसदों के दस्तखत दोहराव की वजह से प्रस्ताव ही खारिज हो गया। तृणमूल सूत्रों का दावा है कि यह सब जानबूझकर किया गया ताकि धनखड़ को बचाया जा सके। टीएमसी इस बात से खासा नाराज़ है और कांग्रेस पर अविश्वास जता रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे प्रकरण में कई राज दफ़्न हैं, जो अब धीरे-धीरे उजागर हो सकते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि मंगलवार को दिल्ली में विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक हुई, लेकिन इसमें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने हिस्सा नहीं लिया, जबकि उनके सांसद दिल्ली में ही मौजूद थे। इसका सीधा कारण धनखड़ के प्रति तृणमूल की पुरानी नाराज़गी बताई जा रही है।

उधर खबर है कि कांग्रेस दो महाभियोग प्रस्ताव लाना चाहती थी- एक जस्टिस वर्मा के खिलाफ और दूसरा जस्टिस यादव के खिलाफ। धनखड़ ने पार्टी नेताओं को भरोसा दिलाया था कि वे इस पर गौर करेंगे, लेकिन कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया था। सूत्रों के अनुसार, सरकार को खड़गे और केजरीवाल की मुलाकातों से खास चिंता नहीं थी, लेकिन जब धनखड़ ने दोहरी महाभियोग प्रक्रिया में दिलचस्पी दिखाई, तो सरकार सतर्क हो गई। दरअसल, एनडीए की योजना लोकसभा और राज्यसभा दोनों में एक साथ वोटिंग कराने की थी। जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी लड़ाई के तौर पर पेश किया जा रहा था, जिसका क्रेडिट सरकार विपक्ष को नहीं देना चाहती थी।

हालांकि कांग्रेस, आरजेडी, एसपी और टीएमसी का रुख इस मुद्दे पर एकजुट दिखाई दे रहा है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस अभी भी कांग्रेस से नाराज़ है। उसका मानना है कि कांग्रेस ने जानबूझकर महाभियोग प्रस्ताव को फेल कराया और उस व्यक्ति के साथ खड़ी हो गई जिसे वह सालों से 'सरकारी आदमी' कहती रही। धनखड़ के इस्तीफे पर कांग्रेस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। जयराम रमेश, प्रियंका चतुर्वेदी और तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। विपक्ष का मानना है कि धनखड़ सरकार के मुकाबले 'छोटे दुश्मन' हैं, असली निशाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। कांग्रेस का मक़सद यह साबित करना है कि बीजेपी अपने भीतर किसी तरह की असहमति बर्दाश्त नहीं करती। पार्टी पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का उदाहरण देकर इसे साबित करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस की रणनीति साफ है। वह चाहती है कि अगर धनखड़ अब सरकार के खिलाफ कुछ बोलते हैं, तो विपक्ष को एक बड़ा हथियार मिल सकता है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि सरकार भी इस चाल को समझ चुकी है और उसने इसका जवाब देने की पूरी तैयारी कर ली है। भारत ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर देश का अभिन्न अंग है और इसकी संप्रभुता पर सवाल उठाने का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य है।

# बिहार के मौलवी का लड़का मेरठ के मंदिर में कृष्ण बनकर पूजा पाठ कर रहा

**-ग्रामीणों के शक होने पर हुआ खुलासा**

**मेरठ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के मेरठ से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां बिहार के एक मौलवी का बेटा मोहम्मद कासिम एक साल तक अपनी पहचान छिपाकर मंदिर में कृष्ण बनकर रह रहा था और पूजा-पाठ कर रहा था। लेकिन अब कासिम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मेरठ के दादरी गांव में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर में बीते एक साल से कोई पुजारी नहीं था। करीब एक साल पहले एक युवक गांव में आया और खुद को कृष्ण पुत्र संतोष, निवासी दिल्ली बताकर मंदिर में रहने और पूजा करने की अनुमति मांगी। ग्रामीणों ने कासिम उर्फ कृष्ण को अनुमति दे दी, क्योंकि मंदिर की देखरेख करने वाला कोई नहीं था। इसके बाद आरोपी कासिम मंदिर में रहकर पूजा-पाठ करने लगा और ग्रामीणों का विश्वास भी जीत लिया। वह सुबह-शाम पूजा करता, प्रसाद बांटता और हवन जैसे धार्मिक कार्यों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेता था। वह हस्तरेखा और ज्योतिष से जुड़ी बातें भी करता था, जिससे ग्रामीण

कासिम को एक धर्मगुरु की तरह मानने लगे थे।

लेकिन कुछ समय बाद, ग्रामीणों को उसकी भाषा, व्यवहार और व्यक्तित्व में कुछ अंतर महसूस होने लगा। जब उन्होंने कासिम से पहचान पत्र मांगा, तब वह टालमटोल करने लगा और आधार कार्ड लाने के बहाने 15 दिनों के लिए गायब हो गया, इससे बात से ग्रामीणों का शक और गहरा गया। लेकिन इसके कुछ दिनों बाद वह फिर से मंदिर में आकर रहने लगा। हाल ही में, जब मंदिर में भंडारे का आयोजन हुआ तब कासिम मंदिर के एक कमरे से कुछ सामान निकालने लगा। तभी मौजूद कुछ ग्रामीणों ने कासिम को रोकर पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद कासिम की बात पर ग्रामीणों का संदेह बढ़ गया। यह देखकर ग्रामीणों ने बिना देरी किए पुलिस को बुला लिया।

ग्रामीणों के कहने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सख्ती से पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम मोहम्मद कासिम बताया। इतना ही नहीं कासिम ने स्वीकार किया कि वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और उसके पिता का नाम अब्बास है, जो बिहार में मौलवी हैं। एसपी सिटी मेरठ आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि कासिम ने अपना नाम बदलकर कृष्ण रख लिया था और मंदिर में पूजा-पाठ के नाम पर दान-दक्षिणा भी एकत्र कर रहा था। पुलिस के अनुसार, वह दान की गई राशि का व्यक्तिगत उपयोग भी कर रहा था। पुलिस ने कासिम के खिलाफ धार्मिक पहचान छिपाकर आस्था से खिलवाड़ करने और दान की गई राशि के गलत इस्तेमाल के आरोप में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

इतना ही नहीं पुलिस ने आरोपी के दावों की पुष्टि के लिए बिहार पुलिस से संपर्क साधा है और उसके निवास की जांच कराई जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या यह कोई सुनियोजित साजिश थी या केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए की गई धोखाधड़ी।

# चीन और वियतनाम में तबाही मचाने के बाद अब भारत पहुंच रहा तूफान विफा...क्यों होगा असर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वर्तमान में देश में जोरदार मानसून का मौसम है, जो तीखी गर्मी से राहत दिला रहा है लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में इसके चलते ऐसी तबाही मची हुई है कि तस्वीरें देखकर आप दंग रह जाएंगे। खासतौर पर जिन देशों को छूकर विफा तूफान गुजरा है, वहां अलग ही तबाही का मंजर दिखा रहा हैं। 20 से 23 जुलाई तक तूफान ने अपना विकराल रूप दिखाया है और अब ये बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है।

तूफान विफा ने दक्षिण-पूर्व एशिया में भारी तबाही मचाई, जिसने कई देशों को प्रभावित कर अब ये कमजोर होकर बंगाल की खाड़ी की तरफ आ रहा है। 18 जुलाई को ये तूफा पश्चिमी प्रशांत महासागर में बना। तूफा ने अपनी तीव्र गति और भारी बारिश के लिए जाना जा रहा है।

विफा ने 20 जुलाई को लुज़ोन द्वीप के पास 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से प्रवेश किया। तब तक ये कैटेगरी-1 के तूफानों में शामिल था, यहां इस क्रिसिंग नाम दिया गया। तूफान ने भारी बारिश और भूस्खलन से कैगायन वैली और बिकोल क्षेत्रों में तबाही मचाई। तूफान की वजह से 5 लोगों की मौत, 7 लापता और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए। तूफान से करीब 400 सड़कें और 30 पुल क्षतिग्रस्त हुए। हालांकि साल 2013 के टाइफून हैयान की तुलना में विफा कम शक्तिशाली था, लेकिन इसकी बारिश और भूस्खलन ने स्थानीय समुदायों को गहरा नुकसान पहुंचाया।

इसके बाद 21 जुलाई को विफा ने हॉन्ग कॉन्ग और ग्वांगडोंग में 167 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से लैंडफॉल किया। तब जुहाई और ग्वांगडोंग में 471 पेड़ उखड़े, 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और 26 लोग घायल हो गए। 3 घंटे में 110 मिलीमीटर की बारिश दर्ज की गई। इतना ही नहीं हांगकांग और मकाऊ में सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह से ठप हो गया। साल 2024 के टाइफून यागी की तुलना में विफा कम तीव्र था, लेकिन इसकी तेज हवाओं ने तटीय क्षेत्रों में भारी नुकसान किया।

इसके बाद 22 जुलाई को हानोई और हंग येन में विफा पहुंचा, तब इसकी रफ्तार थोड़ी कम हो चुकी थी। इस दौरान 102 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से विफा ने लैंडफॉल किया। इस दौरान 500 मिलीमीटर तक बारिश हुई और बाढ़ के चलते सड़कों, स्कूलों और खेतों को नुकसान पहुंचा।

23 जुलाई के बाद विफा अब कमजोर होकर बंगाल की खाड़ी में एक नया मानसूनी सिस्टम बना सकता है। यह पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में भारी बारिश ला सकता है। हालांकि इससे ज्यादा कोई असर भारत में इस तूफान का नहीं होगा क्योंकि अब इसकी ताकत कम हो चुकी है।

## संक्षिप्त समाचार

### बारिश और बाढ़ से मरने वालों की संख्या 223 हुई

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटों में बारह और लोगों की मौत के साथ ही पाकिस्तान में बारिश से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या 223 हो गई है। एनडीएमए के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में दो पुरुष, इतनी ही महिलाएं और आठ बच्चे मारे गए हैं, जबकि दस अन्य घायल हुए हैं। इस मानसून सीजन में भारी बारिश के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक 594 लोग घायल हुए हैं। पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत रहा, जहां 135 लोगों की मौत हुई है और 470 लोग घायल हुए हैं। खैबर पख्तूनख्वा में 56 लोगों की मौत हुई है और 71 लोग घायल हुए हैं। सिंध में 24 लोगों के हताहत होने और 40 के घायल होने की खबर है। बलूचिस्तान में 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक व्यक्ति की मौत हुई है और छह लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में तीन गैर-घातक मौतें हुईं, जबकि इस्लामाबाद में एक व्यक्ति की मौत हुई। ज्यादातर मौतें इमारतों के ढहने, डूबने, भूस्खलन, अचानक बाढ़, बिजली गिरने और बिजली का झटका लगने से हुई हैं।

### रूस की पहली महिला चीफ जस्टिस इरिना पोदनोसोवा का निधन

**मास्को, एजेंसी।** रूस की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश इरिना पोदनोसोवा का मंगलवार को निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं और कैंसर से जूझ रही थीं। पोदनोसोवा को उनके पूर्ववर्ती जस्टिस व्याचेलाव लेबेदेव के निधन के बाद अप्रैल 2024 में सर्वसम्मति से रूसी संघ के सर्वोच्च न्यायालय का चीफ जस्टिस चुना गया था। जस्टिस लेबेदेव 1989 से फरवरी 2024 में अपने निधन तक मुख्य न्यायाधीश रहे।

### जिम्बाब्वे में सड़क हादसे में17 लोगों की मौत

**हरारे, एजेंसी।** जिम्बाब्वे के उत्तरपूर्व में राजधानी हरारे से लगभग 25 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में घनी आबादी वाले शहर चिटुंगविजा के पास मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक मिनीबस टैक्सी और एक मालवाहक ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में 17 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बारे में पुलिस प्रवक्ता पॉल न्याथी ने बताया कि कुछ पैदल यात्रियों सहित सभी 17 पीड़ितों की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ये हादसा तब हुआ जब ट्रक चालक के नियंत्रण खो देने के बाद ट्रक विपरीत लेन में घुस गया और मिनी बस से टकरा गया। उन्होंने बताया कि टक्कर से पहले ट्रक ने फुटपाथ पर जा रहे दो पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि मिनी बस में सवार 17 यात्रियों में से 15 की तत्काल मृत्यु हो गई, जबकि अन्य घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया।

### इमरान खान की पार्टी के 7 नेताओं को10 साल की जेल

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पूर्व पीएम इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सात प्रमुख नेताओं को मंगलवार को नौ मई 2023 के दंगों के मामलों में 10 साल कैद की सजा सुनाई गई। लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व गवर्नर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्रियों यास्मीन राशिद और महमूदुर राशिद, और वकील अज़ीम पाहट को 9 मई, 2023 के शारपाओ ब्रिज दंगों से संबंधित मामले में 10-10 साल की सजा सुनाई है। ये सभी नेता आतंकवाद के आरोपों के तहत 9 मई के कई मामलों का सामना कर रहे हैं।

### अमेरिका- कोर्ट ने न्यू जर्सी के हिरासत केंद्र पर रोक लगाने वाले कानून को रद्द किया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की एक अपीलीय कोर्ट ने मंगलवार को न्यू जर्सी राज्य के उस कानून को रद्द कर दिया, जो निजी कंपनियों को संघीय सरकार के साथ आव्रजन हिरासत केंद्र चलाने का अनुबंध करने से रोकता था। इस फैसले के बाद कंपनी कोरसीविक कॉर्पोरेशन अब न्यू जर्सी के एलिजाबेथ हिरासत केंद्र का संचालन जारी रख सकेगी। यह फैसला अमेरिका में प्रवासियों पर कार्रवाई तेज करने की ट्रंप प्रशासन की कोशिशों के लिए एक बड़ी जीत माना जा रहा है, जिसमें हिरासत केंद्रों का नेटवर्क बढ़ाना भी शामिल है। जस्टिस स्टेफानोस बिबास ने कहा, जैसे राज्यों को संघीय सरकार पर सीधे नियंत्रण का अधिकार नहीं है, वैसे ही वह निजी कंपनियों पर भी ऐसा नियम नहीं बना सकते जो संघीय कामकाज को बाधित करे। उन्होंने कहा कि यह कानून संघीय सरकार की आव्रजन कानून लागू करने की मूल शक्ति में दखल देता है। इस कानून पर साल 2021 में न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मर्फी ने हस्ताक्षर किए थे, जिसमें कोरसीविक कॉर्पोरेशन को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के साथ अपना अनुबंध नवीनीकृत करने से रोका गया था। कंपनी ने इस कानून को अदालत में चुनौती दी थी और निचली अदालत ने उसके पक्ष में फैसला दिया था। राज्य सरकार ने उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसे अब तीसरे सर्किट कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

# आप लोग अकेले नहीं हैं, इमरान खान के बेटों से मिले ट्रंप के करीबी सहयोगी; रिहाई की मांग

**कैलिफोर्निया, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत रिचर्ड ग्रेनेल ने मंगलवार को कैलिफोर्निया में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों, सुलेमान ईसा खान और कासिम खान से मुलाकात की। इस मुलाकात में ग्रेनेल ने इमरान खान की रिहाई की मांग को दोहराया और उनकी गिरफ्तारी को राजनीतिक उत्पीड़न करार दिया। ग्रेनेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर सुलेमान और कासिम के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, कैलिफोर्निया में आपका स्वागत है, मेरे दोस्तों। आज आपके साथ समय बिताकर बहुत अच्छा लगा। सुलैमान और कासिम खान आपको मजबूत रहना होगा। दुनिया भर में लाखों लोग राजनीतिक उत्पीड़न से तंग आ चुके हैं। आप अकेले नहीं हैं।

**क्यों खास मानी जा रहा मुलाकात :** यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब इमरान खान की जेल में हिरासत की स्थिति को लेकर पीटीआई नेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता लगातार आलोचना कर रहे हैं। खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं, जहां उन्हें 14 साल की सजा सुनाई गई है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और राज्य के रहस्यों के दुरुपयोग सहित 100 से अधिक आरोप हैं, जिन्हें वे और उनकी पार्टी राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हैं। ग्रेनेल ने पहले भी इमरान खान का समर्थन किया है। ट्रंप के चुनाव अभियान के दौरान न्यूजमैक्स को दिए एक इंटरव्यू में, उन्होंने कहा था कि ट्रंप प्रशासन के दौरान इमरान खान के नेतृत्व में अमेरिका-पाकिस्तान संबंध बेहतर थे। उन्होंने इमरान खान को एक व्यक्ति बताया था जो सामान्य भाषा में बात करता था और ट्रंप के साथ उनका अच्छा रिश्ता था। ग्रेनेल ने खान की कानूनी चुनौतियों को ट्रंप के सामने आई कानूनी चुनौतियों से तुलना की।

**जेल की स्थिति पर चिंता :** पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वक्कास अकरम ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि इमरान खान को मृत्यु कक्ष में रखा गया है, जहां उन्हें किताबें, टेलीविजन या समाचार पत्र तक की पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि एक पूर्व प्रधानमंत्री होने के बावजूद, खान को सामान्य कैदियों के बुनियादी अधिकारों से भी वंचित किया जा रहा है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। इमरान खान के बेटों, कासिम और सुलेमान, ने भी अपने पिता की जेल की स्थिति को अमानवीय बताया है। मई 2025 में, उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि उनके पिता को एक उच्च-सुरक्षा कक्ष में पूरी तरह से अलग-थलग रखा गया है, जिसे उन्होंने मृत्यु कक्ष कहा। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप और अन्य वैश्विक नेताओं से अपने पिता की रिहाई के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की थी। इमरान खान और ट्रंप का रिश्ता इमरान खान और डोनाल्ड ट्रंप के बीच 2019 और 2020 में कई मुलाकातें हुई थीं, जिनमें जुलाई 2019 में वाशिंगटन डीसी में और जनवरी 2020 में दावोस में हुई बैठकें शामिल हैं। ट्रंप ने खान को लोकप्रिय और महान एथलीट कहकर उनकी तारीफ की थी। दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया और कश्मीर पर भी चर्चा की थी, जिसमें ट्रंप ने मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। ग्रेनेल की टिप्पणियों को पीटीआई समर्थकों के बीच उत्साह के साथ देखा गया है, खासकर अमेरिका में रहने वाले पाकिस्तानी डायस्पोरा के बीच, जो खान की रिहाई के लिए अभियान चला रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तानी सरकार ने इन टिप्पणियों को खारिज करते हुए इसे आंतरिक मामला बताया है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सीनेटर तलाल चौधरी ने कहा कि खान के खिलाफ भ्रष्टाचार और संवैधानिक उल्लंघन के आरोप हैं, और उनकी रिहाई की संभावना नहीं है। इसके अलावा, खान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने भी पिछले साल अक्टूबर में खान की जेल की स्थिति की निंदा की थी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उनकी बिजली काट दी गई थी और उन्हें वकीलों और परिवार से मिलने से रोका गया था।

## एडिलेड में भारतीय व्यक्ति पर जानलेवा हमला, संदिग्ध नस्लवादी लोगों ने गालियां भी दीं

**एडिलेड, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में सड़क पर

एक भारतीय युवक पर जानलेवा हमला किया गया और फिर उसे वहीं बेहोशी की हालत में मरने के लिए छोड़ दिया गया। युवक की पहचान चरणप्रीत सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार पार्किंग को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद कुछ लोगो ने उनके खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां कीं और मारपीट की।ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

चैनल 9न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले से पहले सिंह से कहा गया, यहां से भाग जा, इंडियन और फिर उस पर लगातार घूंसे बरसाए गए। घटना शनिवार रात (स्थानीय समय अनुसार) शहर के केंद्र में स्थित किंटोर एवेन्यू के पास हुई। चरणप्रीत सिंह (23 वर्षीय) अपनी कार में था, तभी कुछ लोगों का एक समूह उसके पास आया, नस्लवादी बातें करने लगे लगे और बिना किसी उकसावे के उस पर हमला कर दिया। हमले में चरणप्रीत को गंभीर चोटें आईं। उनके सिर पर गहरी चोट और चेहरे की कई हड्डियां टूटी हैं। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका रातभर उपचार चलता रहा।

साउथ ऑस्ट्रेलिया पुलिस ने रविवार को एनफील्ड इलाके से एक युवक (20 वर्षीय) को गिरफ्तार किया है और उस पर हमला कर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, बाकी हमलावर घटना के बाद मौके से फरार हो गए और उनकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने आम लोगों से मदद मांगी है ताकि वह बाकी हमलावरों को पकड़ सके। इस हमले से एडिलेड में भारतीय समुदाय आक्रोश में है।

## आयरलैंड में भारतीय पर नस्लभेदी हमला और मारपीट

**डबलिन , एजेंसी।** आयरलैंड की राजधानी डबलिन इलाके में 40 वर्षीय भारतीय व्यक्ति पर नस्लभेदी हमला किया गया है। घायल शख्स अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित तीन हफ्ते पहले काम की तलाश में वहां पहुंचा था। हमलावरों ने उसे बेरहमी से पीटा। उसके चेहरे, हाथों और पैरों में गहरी चोटें आई हैं। आयरलैंड में भारतीय राजदूत ने अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार शनिवार शाम को टैलाट के पार्कहिल रोड पर उस पर हमला हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा, सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे। घायल को टैलाट विश्वविद्यालय अस्पताल ले जाया गया। आयरलैंड में भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा ने सोशल मीडिया पर इस हमले पर अपनी हैरानी जताई। उन्होंने इस हिंसक हमले की आयरिश मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एक कथित हमले से इतनी भयानक चोट और खून कैसे आ सकता है? आयरलैंड के राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट की असंवेदनशीलता और अस्पष्टता देखकर स्तब्ध हूं। उम्मीद है कि दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। एक स्थानीय अखबार के अनुसार टैलाट साउथ के फाइन गेल पार्टी के पार्षद बेबी पेरेप्पाडन ने सोमवार को उस व्यक्ति से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह अब भी सदमे में है।

# एक कमजोर पासवर्ड और चली गईं 700 नौकरियां, साइबर अटैक ने बर्बाद कर दी 158 साल पुरानी कंपनी

**लंदन, एजेंसी।** एक साधारण-सा कमजोर पासवर्ड 158 साल पुरानी ब्रिटिश कंपनी के पतन का कारण बन गया। इसके चलते 700 कर्मचारियों की नौकरियां चली गईं। दरअसल डेढ़ सदी पुरानी लॉजिस्टिक्स कंपनी केएनपी को एक साइबर अटैक के चलते अपना ऑपरेशन पूरी तरह बंद करना पड़ा और लगभग 700 कर्मचारियों को नौकरी से निकालना पड़ा। यह हमला एक कमजोर पासवर्ड के जरिए हुआ, जिससे हैकरों ने कंपनी की पूरी आईटी सिस्टम को जकड़ लिया। बीबीसी की जांच में सामने आया है कि अकिरा नामक रैनसमवेयर गिरोह ने कंपनी के सिस्टम में सेंध लगाकर इसके महत्वपूर्ण डेटा को एन्क्रिप्ट कर दिया और एक भारी-भरकम राशि की फिरौती मांगी, जिसे कंपनी चुका नहीं सकी।

आखिर क्या हुआ था? केएनपी लॉजिस्टिक्स को पहले नाइट्स ऑफ ओल्ड के नाम से जाना जाता था। यह एक नॉर्थम्प्टनशायर आधारित परिवहन कंपनी थी, जो 1865 से संचालित हो रही थी। कंपनी के पास लगभग 500 लॉरियां थीं और यह 700 से अधिक कर्मचारियों को रोजगार दे रही थी। इसके बावजूद कि कंपनी ने उद्योग मानकों के अनुरूप आईटी सिस्टम और साइबर हमले के खिलाफ बीमा लिया हुआ था फिर भी यह एक साइबर हमले का शिकार हो गई। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अकिरा रैनसमवेयर गिरोह ने कंपनी के सिस्टम में प्रवेश करने के लिए एक कर्मचारी के कमजोर पासवर्ड का फायदा उठाया। संभवतः हैकर्स ने इस पासवर्ड का अनुमान लगाकर कंपनी के आंतरिक नेटवर्क तक पहुंच बनाई। इसके बाद, उन्होंने कंपनी के डेटा को एन्क्रिप्ट कर दिया और महत्वपूर्ण सिस्टम को लॉक कर दिया, जिससे कंपनी का संचालन पूरी तरह ठप हो गया।

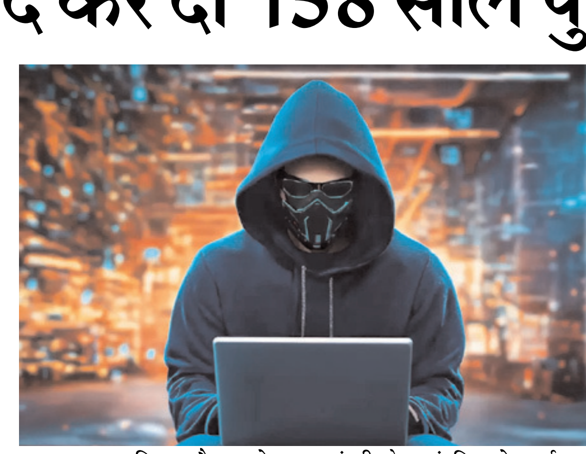

हैकर्स ने फिरौती के लिए एक नोट छोड़ा, जिसमें लिखा था, अगर आप यह पढ़ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आपकी कंपनी का आंतरिक ढांचा पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट हो चुका है... आंसुओं और नाराजगी को छोड़कर आइए एक रचनात्मक संवाद बनाएं। हालांकि हैकर्स ने फिरौती की राशि स्पष्ट नहीं की, लेकिन एक विशेषज्ञ रैनसमवेयर वार्ता फर्म ने अनुमान लगाया कि यह राशि 50 लाख पाउंड (लगभग 58 करोड़ रुपये) तक हो सकती थी। केएनपी के पास इतनी बड़ी राशि नहीं थी, और अंततः सारा डेटा नष्ट हो गया, जिसके बाद कंपनी दिवालिया हो गई।

## संघीय अपील अदालत में ट्रंप के खास एमिल बोवे को आजीवन न्यायाधीश बनाने की तैयारी, विरोध में डेमोक्रेट सांसद

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** संघीय अपील अदालत में ट्रंप के खास माने जाने वाले न्याय विभाग के शीर्ष अधिकारी एमिल बोवे को स्थायी न्यायाधीश बनाने की तैयारी हो गई है। सीनेट ने बोवे के नामांकन पर विचार करना शुरू कर दिया है। हालांकि उनके नामांकन को लेकर विरोध भी शुरू हो गया। डेमोक्रेट सांसद ने बोवे के नामांकन के विरोध में मतदान किया है। इसमें एक रिपब्लिकन सांसद भी शामिल है। डेमाक्रेट सांसदों का कहना है कि अगर बोवे न्यायाधीश बन जाते हैं तो न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं रह जाएगी।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व आपराधिक बचाव वकील एमिल बोव अब न्याय विभाग में एक शीर्ष अधिकारी हैं। तीसरे अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के लिए उनके नामांकन की डेमोक्रेट्स ने कड़ी आलोचना की है। सांसदों का कहना है कि न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स के खिलाफ न्याय विभाग द्वारा खारिज किए गए भ्रष्टाचार के मामले में वह सबसे आगे थे। बोवे ने एफबीआई अधिकारियों पर अवज्ञा का भी आरोप लगाया है क्योंकि उन्होंने 2021 में अमेरिकी कैपिटल पर हुए हमले की जांच करने वाले एजेंटों के नाम देने से इनकार कर दिया गया था। उनके नामांकन के बाद डेमोक्रेट सांसदों ने अतिरिक्त प्रक्रियात्मक मतदान के लिए दबाव डाला। यह सांसदों की ओर से नामांकन का विरोध करने और प्रक्रिया में देरी करने की एक कोशिश थी। इस दौरान 50-48 वोट पड़े। सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने बोव को ट्रंप का अब तक का सबसे खराब न्यायिक उम्मीदवार कहा। उन्होंने कहा कि बोव का पूरा करिअर एक ही बात पर आधारित है और वह है डोनाल्ड ट्रंप के प्रति निष्ठा। अलास्का की सीनेटर और रिपब्लिकन सांसद लिसा मुर्कोव्स्की ने नामांकन पर विचार करने के खिलाफ डेमोक्रेट्स के साथ मतदान किया। जबकि मेन से रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने आगे बढ़ने के लिए रिपब्लिकन के साथ मतदान किया। मगर उन्होंने कहा कि वह अंतिम मतदान में बोव की नियुक्ति का विरोध करेंगी। कॉलिन्स ने कहा कि हमें ऐसे न्यायाधीश चाहिए जो कानून के शासन और संविधान का पालन करें और ऐसा उनके व्यक्तिगत विचारों की परवाह किए बिना करें। बोव की राजनीतिक छवि और न्याय विभाग में उनके नेतृत्वकारी कार्यों के कारण मैं इस निष्कर्ष पर पहुंची हूं कि वे एक निष्पक्ष न्यायविद के रूप में काम नहीं कर पाएंगे। पैनल के शीर्ष डेमोक्रेट इलिनोइस सीनेटर डिक डर्बिन ने कहा कि बोव ने अपने पद का इस्तेमाल राष्ट्रपति के दुश्मनों के खिलाफ न्याय विभाग को हथियार बनाने के लिए किया है। जबकि सीनेट न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष चक ग्रासली ने बोव का बचाव किया और कहा कि उन्हें उचित व्यवहार मिलना चाहिए। डेमोक्रेट्स ने बर्खास्त वकील की शिकायत को छिपाया था और उनके स्टाफ ने दावों की जांच की थी। बोव के नामांकन को लेकर तनाव और देरी ऐसे समय में हो रही है जब रिपब्लिकन ट्रंप के नामांकनों को जल्द से जल्द आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून पर सत्र में बने रहने और अधिक न्यायाधीशों और कार्यकारी शाखा के अधिकारियों की नियुक्ति के लिए अगस्त अवकाश छोड़ने का दबाव डाला है।

## भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे ट्रंप, फिर बोले- मैंने युद्ध रुकवाया

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। करीब 20 से अधिक बार ट्रंप संघर्ष विराम का दावा कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया। इस संघर्ष में पांच फाइटर जेट मार गिराए गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। जबकि भारत बार-बार इसका खंडन कर रहा है। वहीं ट्रंप के इस दावे को कांग्रेस ने सिल्वर जुबली करार दिया है। रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि हमने भारत और पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच युद्ध रोक दिए। ये गंभीर युद्ध थे। भारत और पाकिस्तान में जो चल रहा था। वहां से विमानों को मार गिराया जा रहा था। मुझे लगता है कि पांच जेट मार गिराए गए थे। मैंने उन्हें फोन किया और कहा कि सुनो, अब और व्यापार नहीं। अगर तुम ऐसा करोगे, तो तुम्हारा भला नहीं होगा। वे दोनों शक्तिशाली परमाणु संपन्न देश हैं और ऐसा होता ही और कौन जानता है कि इसका क्या नतीजा होता। मैंने इसे रोक दिया। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की पूरी परमाणु क्षमता को नष्ट कर दिया है और कोसोवो और सर्बिया के

बीच संघर्ष को भी रोक दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि हमने युद्ध नहीं रोका, लेकिन हमने वह रोका जो युद्ध में बदल सकता था। हम सदन में अमेरिका की सराहना के लिए ऐसा कर रहे हैं। ठीक है, क्या आपको लगता है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ऐसा करते? मुझे ऐसा नहीं लगता। क्या आपको लगता है कि उन्होंने कभी इनमें से किसी देश के बारे में सुना है? मुझे ऐसा नहीं लगता। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी श्रेय लेने की कोशिश इससे पहले कार्यवाहक अमेरिकी प्रतिनिधि राजदूत डोरोथी शी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान विषय पर आयोजित बैठक में भी भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में जहां तक संभव हो अमेरिका विवादों से जुड़े पक्षों के साथ शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए काम करता रहता है।

# बलूच नेता का दावा- बुरी तरह नाकाम हुआ पाकिस्तानी सेना का शाहीन-3 मिसाइल परीक्षण

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में अपनी शाहीन-3 मिसाइल का परीक्षण किया। लेकिन यह परीक्षण में बुरी तरह नाकाम रहा। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। मिसाइल बलोचिस्तान के डेरा गाजी खान इलाके से छोड़ी गई थी, जो नागरिक इलाकों के पास जाकर गिरी। बलूच नेता मीर यार बलोच ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। बलूच विद्रोही बलूचिस्तान को पाकिस्तान का हिस्सा नहीं मानते हैं और इस पर पाकिस्तान के कब्जे का विरोध करते हैं। बलूच नेता मीर यार बलोच ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बलूच गणराज्य पाकिस्तान के बार-बार नाकाम मिसाइल परीक्षणों की कड़ी निंदा करता है। पाकिस्तान लगातार बलूचिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन कर रहा है और आम नागरिकों की जान खतरे में डाल रहा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की कब्जा करने वाली सेना ने 22 जुलाई को बलूचिस्तान गणराज्य में एक नाकाम मिसाइल परीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मिसाइल बलूचिस्तान के डेरा गाजी खान इलाके से छोड़ी गई, जो नागरिक इलाकों के पास लूप सहरानी लेवी स्टेशन से केवल 500 मीटर उत्तर की ओर गिरी। अगर यह मिसाइल थोड़ी भी दिशा से भटक जाती, तो भारी जनहानि और संपत्ति को बड़ा नुकसान हो सकता था। उन्होंने कहा, यह कोई एकमात्र मामला नहीं है। पाकिस्तानी सेना लंबे समय से मिसाइल परीक्षण को एक बहाना बनाकर रणनीतिक क्षेत्रों से बलूच लोगों को जबरन हटाने का काम कर रही है, जिसमें डेरा बुगती, कहान और आसपास के इलाके शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने धमकियों और डराने-धमकाने की घटनाओं की जानकारी दी है, जो एक बेहद

चिंताजनक चलन (पैटर्न) की ओर इशारा करता है। जबरन विस्थापन की नीति सरकारी स्तर पर की जा रही है, ताकि संसाधनों के दोहन के लिए खुला रास्ता मिल सके। मीर यार बलोच ने कहा, हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने बलूचिस्तान का और अधिक सैन्यकरण कर दिया है। विदेशी ताकतों के साथ मिलकर इस क्षेत्र को उसने बैलिस्टिक मिसाइलों और अन्य आधुनिक हथियारों के परीक्षण स्थल में बदल दिया है। यह याद रखना जरूरी है कि यह पहली बार नहीं हुआ है। अक्तूबर 2023 में एक और नाकाम मिसाइल परीक्षण किया गया था, जिसमें पंजाब से छोड़ी गई मिसाइल डेरा बुगती की कृषि भूमि में गिर गई थी, जो आबादी वाले इलाकों के बेहद करीब थी। उन्होंने बताया, 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने कब्जे वाले बलूचिस्तान के चगई जिले में बिना स्थानीय जनता की सहमति के छह परमाणु परीक्षण किए थे। दशकों बाद भी वह इलाका खतरनाक परमाणु विकिरण से प्रभावित है, जिससे कैंसर, पुरानी त्वचा की बीमारियां और दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं अब भी स्थानीय बलूच लोगों में देखी जा रही हैं। उन्होंने आगे लिखा, हम संयुक्त राष्ट्र, यूएन सुरक्षा परिषद और संबंधित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से अपील करते हैं कि पाकिस्तान पर हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए; उसके बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएं; बलूचिस्तान में आम नागरिकों और संप्रभुता पर बार-बार हो रहे हमलों की जांच करवाई जाए।


स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपने ही मौत का ड्रामा रचने वाला आरोपी रिमांड पर

# पिता की हत्या के बाद 10 साल के बेटे ने मां के कहने पर किया अंतिम संस्कार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचिन में अपनी मौत का नाटक रचने वाला ट्रक मालिक दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है, जबकि उसकी पत्नी को जेल भेज दिया गया है। यह पूरा षड्यंत्र इंश्योरेंस क्लेम, होम लोन और दो ट्रकों के लाखों की लोन माफ करवाने के लिए रचा गया था। हत्या को हादसे का रूप देने की साजिश कामरेज के ट्रक मालिक, उसकी पत्नी और पूर्व चालक ने मिलकर रची थी। आरोपी शिवकुमार मिश्रा ने अपने 45 वर्षीय मित्र देवीप्रसाद शिवप्रसाद पाल को शराब पिलाकर बेहोश कर दिया और फिर ट्रक के पहियों से कुचलकर उसकी हत्या कर दी।

हत्या से पहले उसने मृतक को अपना शर्ट पहना दिया था और उसकी जेब में अपना पर्स व मोबाइल रख दिया था ताकि शव की पहचान उसकी यानी शिवकुमार के रूप में हो। फिर उसकी पत्नी के कहने पर शिवकुमार के 10 साल के बेटे ने शव का अंतिम संस्कार किया।

शिवकुमार उर्फ महाराज रामनारायण मिश्रा के नाम पर खरीदी गई सेकंड हैंड ट्रक पर 14 लाख का लोन चल रहा था, साथ ही मकान पर भी होम लोन था। उसके एक दोस्त ने भी शिवकुमार के नाम पर ट्रक ली थी, जिस पर भी लोन चल रहा था।

शिवकुमार को हर महीने 46,000 की ईएमआई भरनी होती थी। उसके तीन किस्तें बाउंस हो चुकी थीं। इसके अलावा जिस ट्रक की लोन उसके दोस्त ने शिवकुमार के नाम पर ली थी, उसकी किस्तें भी नहीं भरी जा रही थीं, जिससे तनाव बढ़ता गया।

हत्या के बाद आरोपी ने मृतक के कपड़े और मोबाइल खंभासला गांव के पास कडोदरा रोड व सणिया के बीच फेंक दिए थे। इन सबूतों को ढूंढने के लिए पुलिस आरोपी को साथ लेकर कल मौका-ए-वारदात पर जाएगी। वहीं, आरोपी की पत्नी मीनादेवी को कोर्ट ने लाजपुर जेल भेज दिया है। आरोपी शिवकुमार मिश्रा और उसका पूर्व चालक मोनू गौतम फिलहाल पुलिस रिमांड में हैं। मृतक देवीप्रसाद पाल के भाई ने शव की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट के लिए सैंपल दिया है। पुलिस यह सुनिश्चित करना चाहती है कि शव वास्तव में देवीप्रसाद का ही है।

सूरत के पांडेसरा में आशापुरी खाड़ी ब्रिज से युवक का लटका हुआ शव मिला

# पत्नी और सात बेटियों का हृदयविदारक विलाप आत्महत्या या हत्या को लेकर रहस्य बरकरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में आशापुरी खाड़ी ब्रिज के पास एक युवक का संदिग्ध हालत में फंदे से लटका शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान संतोष राव के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पांडेसरा पुलिस और फायर विभाग तुरंत मौके पर पहुंचे। शव को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह आत्महत्या है या हत्या — इसको लेकर रहस्य बना हुआ है।

मृतक संतोष राव के एक रिश्तेदार मुननाकुमार ने बताया कि उसके कुछ दोस्तों ने जबरन उसे शराब पिलाई और उसके पास मौजूद पैसे भी छीन लिए, जिससे वह आर्थिक तंगी में आ गया था। बीते पांच दिनों से उसका पत्नी के साथ वेतन को लेकर झगड़ा चल रहा था। आरोप है कि मानसिक तनाव और पारिवारिक कलह के कारण उसने यह कदम उठाया। स्थानीय लोगों ने खाड़ी ब्रिज से शव को लटकता देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पांडेसरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालने के लिए फायर ब्रिगेड की मदद ली। फायर विभाग ने शव को उसी रस्सी से सावधानीपूर्वक बाहर निकाला, जिससे वह लटका हुआ था, और फिर पुलिस को सौंप दिया।

मृतक संतोष राव पांडेसरा क्षेत्र में अपनी पत्नी और सात बेटियों के साथ रहता था। वह एक गैस कंपनी में सिलेंडर की डिलीवरी का काम करता था और उसी से परिवार का गुजारा करता था। घटना के बाद मृतक की पत्नी और सातों बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है, पूरे इलाके में मातम छा गया है।

पांडेसरा पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच की जा रही है। दोस्तों द्वारा शराब पिलाने, पैसे छीनने और पारिवारिक विवाद को लेकर जो आरोप लगे हैं, उन पर भी जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस इस बात की पुष्टि के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है कि यह आत्महत्या है या सुनियोजित हत्या।

गांजा की जानकारी पुलिस को देने के शक में युवक पर ब्लेड से हमला

# आरोपी ने युवक के गले पर मारा वार, घायल की महिलाओं ने सड़क पर ही आरोपी की पिटाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भाटार इलाके में फिर एक बार असामाजिक तत्वों का आतंक चर्चा का विषय बन गया है। आज़ाद नगर क्षेत्र में गांजा की सूचना पुलिस को देने के शक में एक युवक पर ब्लेड से जानलेवा हमला किया गया। घटना के बाद गुस्साई महिलाओं ने हमलावर को सार्वजनिक रूप से पीटा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

घायल युवक की पहचान सुनील तेजराम आहिर (उम्र 35, निवासी आज़ाद नगर, भाटार) के रूप में हुई है। उस पर जितु उर्फ लड्डू मुकेशभाई राठौड़ (उम्र 33, निवासी रसूलाबाद, आज़ाद नगर) ने ब्लेड से हमला किया था। हमले में सुनील को गले पर गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उसे तुरंत नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हमले के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी जितु को पकड़ लिया। तभी घायल सुनील के घर की दो महिलाएं मौके पर पहुंचीं और गुस्से में आकर आरोपी जितु को सबके सामने थप्पड़ मारने लगीं। पहले एक महिला ने उसे लगातार तमाचे मारे, फिर दूसरी महिला भी उसमें शामिल हो गई। गुस्साई महिलाओं ने आरोपी की खुलेआम पिटाई की, और मौके पर मौजूद लोगों में से कुछ "लाठी से मारो!" चिल्लाते भी सुने गए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

हालांकि, इस घटना पर खटोदरा पुलिस ने अलग ही जानकारी दी है। पुलिस जांच में सामने आया कि सुनील और जितु दोनों शराब के नशे में थे, और किसी निजी बात को लेकर उनके बीच झगड़ा हुआ था, जिसमें जितु ने गुस्से में आकर ब्लेड से हमला कर दिया।

पुलिस ने आरोपी जितु राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया है और खटोदरा थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

# गुजरात बीजेपी नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद का निधन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा के पूर्व सांसद प्रवीण नायक का आज सुबह दुखद निधन हो गया। उनके निधन से बीजेपी और पूरे अनाविल समाज में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्रवीण नायक एक अनुभवी राजनेता थे जिन्होंने दशकों तक बीजेपी संगठन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। राज्यसभा सांसद के रूप में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी गुजरात का प्रतिनिधित्व किया। सूरत शहर बीजेपी अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। इसके अलावा वे सूरत महानगरपालिका की स्थायी समिति के अध्यक्ष और पार्षद के रूप में भी कार्य कर चुके थे, और उन्होंने सूरत शहर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वे एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में जाने जाते थे और कार्यकर्ताओं के बीच काफी लोकप्रिय थे। अनाविल समाज में भी उनका बड़ा योगदान था और वे समाज के वरिष्ठ और सम्माननीय व्यक्तियों में गिने जाते थे। उनके निधन से राजनीतिक, सामाजिक और अनाविल समाज को अपूरणीय क्षति पहुँची है।

प्रवीण नायक के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा और उनके अंतिम संस्कार की जानकारी जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी। बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और अनाविल समाज के प्रमुखों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

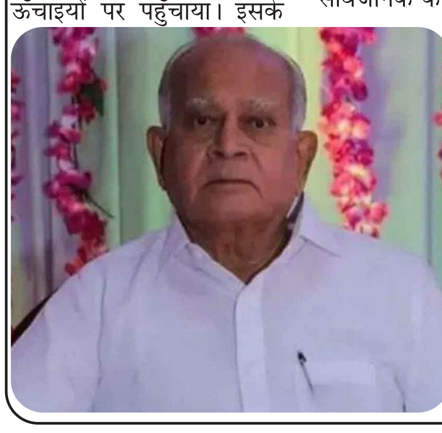

वडोदरा आर.वी. देसाई रोड के पिता-पुत्र का कारनामा

# अमेरिका निवासी सूरत के इंजीनियर से शेयर बाजार में मुनाफे का लालच देकर 40.85 लाख की ठगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत-अमेरिका में बसे मूल रूप से सूरत के गोपीपुरा निवासी एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से शेयर बाजार में निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर वडोदरा के पिता-पुत्र ने 50.40 लाख रुपये लिए, जिसमें से केवल 9.54 लाख रुपये वापस किए और शेष 40.85 लाख रुपये हड़प लिए। इस मामले में उमरा पुलिस थाने में तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की गई है।

शैलेष नटवरलाल राणा, जो वर्तमान में अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, की 1999 में अहमदाबाद में ट्रेनिंग के दौरान अंकित हसमुख शाह (निवासी - सोहम जवाहर सोसायटी, गंगोत्री अपार्टमेंट के पास, आर.वी. देसाई रोड, वडोदरा) से दोस्ती हुई थी। दोनों मुंबई में भी एक ही रूम में रह चुके थे। इस दौरान अंकित ने बताया था कि उसके पिता हसमुख शाह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में शेयर ब्रोकर हैं और उसका भाई अमित शाह ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश सलाहकार है।

शैलेष वर्ष 2005 में अमेरिका शिफ्ट हो गए, लेकिन दोनों संपर्क में बने रहे। 2009 में पिता के अंतिम संस्कार के लिए भारत आने के दौरान अंकित के कहने पर जुलाई 2011 से जून 2012 के बीच शैलेष ने अलग-अलग किश्तों में 50.40 लाख RTGS के जरिए अंकित के खाते में ट्रांसफर किए थे। हालांकि उसने कोई रसीद नहीं दी, लेकिन अलग-अलग कंपनियों में 3.50 लाख की FD की रसीदें दीं, जिन पर 1.75% से लेकर 12.5% तक का ब्याज लिखा था।

मार्च 2013 में जब शैलेष ने हिसाब मांगा, तो अंकित ने कहा कि पैसे निवेश किए गए हैं, इसलिए अभी वापस नहीं कर सकते। बाद में टुकड़ों में 9.54 लाख वापस किए, लेकिन शेष 40.85 लाख का ना कोई हिसाब दिया और ना ही रकम लौटाई। शैलेष ने अपने भाई जयेश राणा को वडोदरा भेजा, लेकिन अंकित घर पर नहीं मिला।

अंकित ने कहा कि स्त्रष्ठ में नाम और पता बदलना है, यह कहकर शैलेष से FD भी ले गया और वह भी कभी वापस नहीं की। बार-बार रुपये मांगने और हिसाब देने की बात कहने पर भी टालता रहा। इसके चलते शैलेष ने अपने वकील के जरिए कानूनी नोटिस भिजवाया और सितंबर 2024 में ED (प्रवर्तन निदेशालय) में भी शिकायत दर्ज करवाई, जिसकी जांच वर्तमान में जारी है।

शैलेष के दिए पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर उनके रिश्तेदार मोंटु कंचनलाल जरिवाला (निवासी: चंदुलाल मास्टर की गली, गोपीपुरा) ने उमरा थाने में तीनों आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

**कौन-कौन आरोपी**

**1.हसमुख शाह( पिता )-वडोदरा निवासी, शेयर ब्रोकर**
**2.अंकित शाह ( पुत्र )-ट्रेनी के दौरान दोस्ती कर ठगी में शामिल**
**3.अमित शाह ( भाई )- निवेश सलाहकार के रूप में भूमिका**

# बिना अनुमति चल रहे बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड सील, पालिका की नोटिस के बाद भी नहीं हुए बंद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

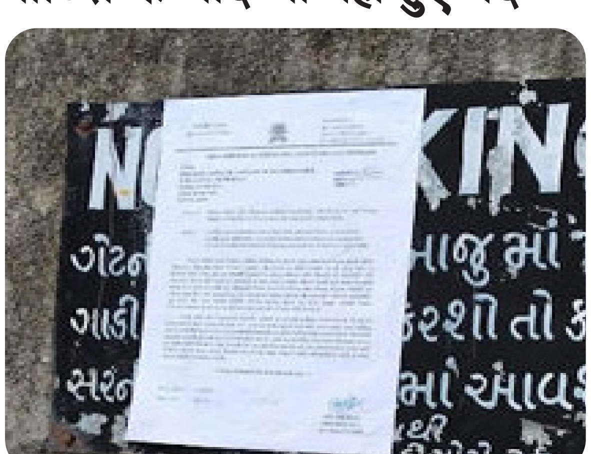

सूरत महानगरपालिका के रांदेर जोन में बिना अनुमति के चल रहे तीन बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड को नोटिस देने के बाद भी बंद नहीं किया गया था, जिसके चलते पालिका ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीनों बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड को सील कर दिया है।

कुछ समय पहले एक बॉक्स क्रिकेट में दुर्घटना हुई थी, जिसके बाद पालिका ने इन अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया था। इस अभियान के अंतर्गत बिना मंजूरी के संचालन कर रहे बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड पर अब सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

इन सभी स्थानों पर पालिका की अनुमति के बिना लोहे के एंगल लगाकर टेम्पररी ढांचे और शेड टाइप निर्माण किया गया था। पालिका ने पहले इन्हें नोटिस जारी किया था, लेकिन उसके बावजूद गतिविधियाँ चालू रहीं, जो उपयोगकर्ताओं के लिए जोखिम भरी साबित हो सकती थीं।

इसलिए रांदेर जोन की टीम ने कार्रवाई करते हुए इन बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड को सील कर दिया है।

**सील किए गए ग्राउंड की जानकारी**

**1. टी.पी. स्कीम नं. 32 ( अडाजन ), फाइनल प्लॉट नं. 274 - उबुंटु क्रिकेट एकेडमी, अडाजन, सूरत**
**2. टी.पी. स्कीम नं. 23 ( रांदेर ), फाइनल प्लॉट नं. 59 और 60 - दीस्मोतो टर्फ बॉक्स क्रिकेट**
**3. टी.पी. स्कीम नं. 29 ( रांदेर ), फाइनल प्लॉट नं. 01 - आर.आई.जी. बॉक्स क्रिकेट**

# श्रावण मास में भारी भीड़ वाले प्रमुख मंदिर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

१-कंतोश्वर महादेव- सूरत
२-गलतेश्वर महादेव - कामरेज
३-ऋषि मुक्तेश्वर महादेव- एना
४-कनकेश्वर महादेव - कणाव
५-केदारेश्वर महादेव - बारडोली
६-शुकलेश्वर महादेव - अनावल
७-भाव भावेश्वर मंदिर - बरुमाळ
८-तडकेश्वर महादेव - वलसाड
९-मल्लिकार्जुन महादेव - चिखली
१०-सोमनाथ महादेव
११-अंधेश्वर महादेव - अनावल
१२-गंगेश्वर महादेव - कछोली
१३-कामेश्वर महादेव - गड़त
१४-सिद्धनाथ महादेव मंदिर- सरस, ओलपाड

इन सभी मंदिरों में श्रावण मास में भक्तों का सैलाब उमड़ता है।

# श्रावण मास में पुण्य कमाने निकलते हैं श्रद्धालु

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

हिंदू धर्म में पवित्र माने जाने वाले इस मास को जहां श्रद्धालु धार्मिक पुण्य कमाने का अवसर मानते हैं, वहीं यह महीना ट्रावेल्स व्यवसाय और मंदिरों के आसपास व्यापार करने वालों के लिए रोजगार और आमदनी का जरिया भी बन जाता है।

श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवदर्शन के लिए निकलते हैं, जिससे ट्रावेल्स व्यवसाय में लगे लोगों को नए मौके और आमदनी मिलती है। यह महीना उनके लिए किसी संजीवनी से कम नहीं होता।

पिछले कुछ वर्षों से दक्षिण गुजरात में हर रविवार और सोमवार को बार महादेव के दर्शन की परंपरा बढ़ती जा रही है। इस ट्रेंड से छोटी-बड़ी गाड़ियों वाले ट्रावेल्स व्यवसायियों को बड़ा लाभ हुआ है। जब सूरत के श्रद्धालु देवदर्शन के लिए बाहर जाते हैं, तब वे रास्ते में मिलने वाली ताजी सब्जियों को खरीदने में भी रुचि दिखाते हैं। इससे स्थानीय सब्जी विक्रेताओं को सीधा फायदा होता है और उन्हें अच्छे दाम मिलते हैं।

इस तरह, जहां एक ओर श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी इस यात्रा से ट्रावेल्स और छोटे व्यापार करने वालों के लिए आमदनी का स्रोत खुल रहा है।